लोक सुनवाई का विवरण

विषयः— ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स श्री सीमेंट लिमिटेड (मोहरा (ब्लॉक—ए) लाईम स्टोन क्वारी), ग्राम — मोहरा, तहसील — सिमगा तथा ग्राम — पत्थरचुआ एवं भालुकोना, तहसील — पलारी, जिला — बलौदाबाजार — भाटापारा (छ.ग.) स्थित ग्राम — भालुकोना, तहसील — पलारी स्थित खसरा क्रमांक — 1, 2 एवं अन्य 50 खसरे, ग्राम — मोहरा, तहसील — सिमगा स्थित खसरा क्रमांक — 1673/1, 1673/2 एवं अन्य 34 खसरे, ग्राम — पत्थरचुआ, तहसील — पलारी स्थित खसरा क्रमांक — 144, 154 एवं अन्य 327 खसरे, कुल क्षेत्रफल 127.046 हेक्टेयर में प्रस्तावित Limestone Production - 1.50 Million TPA, Over burden 0.16 Million TPA, Inter burden - 0.008 Million TPA, Screen Waste - 0.167 Million TPA, Top Soil - 0.012 Million TPA, Total Excavation - 1.847 Million TPA, Proposed Primary Crusher - 800 TPH & Secondary Crusher - 400 TPH, along with Wobbler के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 30.04.2024 को आयोजित लोक सुनवाई का विवरण।

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स श्री सीमेंट लिमिटेड (मोहरा (ब्लॉक—ए) लाईम स्टोन क्वारी), ग्राम — मोहरा, तहसील — सिमगा तथा ग्राम — पत्थरचुआ एवं भालुकोना, तहसील — पलारी, जिला — बलौदाबाजार — भाटापारा (छ.ग.) स्थित ग्राम — भालुकोना, तहसील — पलारी स्थित खसरा क्रमांक — 1, 2 एवं अन्य 50 खसरे, ग्राम — मोहरा, तहसील — सिमगा स्थित खसरा क्रमांक — 1673/1, 1673/2 एवं अन्य 34 खसरे, ग्राम — पत्थरचुआ, तहसील — पलारी स्थित खसरा क्रमांक — 144, 154 एवं अन्य 327 खसरे, कुल क्षेत्रफल 127.046 हेक्टेयर में प्रस्तावित Limestone Production - 1.50 Million TPA, Over burden 0.16 Million TPA, Inter burden - 0.008 Million TPA, Screen Waste - 0.167 Million TPA, Top Soil - 0.012 Million TPA, Total Excavation - 1.847 Million TPA, Proposed Primary Crusher - 800 TPH & Secondary Crusher - 400 TPH, along with Wobbler के पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने बाबत् लोक सुनवाई कराने हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल में आवेदन किया गया है। दैनिक समाचार पत्र हिन्दुस्तान टाइम्स तथा दैनिक भास्कर में दिनांक 29 मार्च 2025 को लोक सुनवाई की सूचना प्रकाशित करवाई जाकर दिनांक 30 अप्रैल 2025 को समय प्रातः 11:00 बजे से स्थल—ग्राम फुण्डरडीह, खसरा नंबर 261/1 एवं 262 रकबा क्रमशः 9.081 एवं 22.003 हेक्टेयर, तहसील—पलारी, जिला—बलौदाबाजार—भाटापारा (छ.ग.) में लोक सुनवाई नियत की गई थी, जिसकी सूचना संबंधित ग्राम पंचायतों को प्रेषित की गई व तामिली भी ली गई।

प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् लोक सुनवाई दिनांक 30.04.2025 को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला बलौदाबाजार—भाटापारा की

अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। लोक सुनवाई के दौरान अनुविभागीय दण्डाधिकारी, पलारी, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल रायपुर तथा गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं लगभग 500 जन सामान्य उपस्थित थे। लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण निम्नानुसार हैः–

1. लोक सुनवाई प्रातः 11:00 बजे से प्रारंभ हुई।

2. सर्वप्रथम उपस्थित लोगों की उपस्थिति दर्ज कराने की प्रक्रिया आरंभ की गई। जिन लोगों ने उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर किये हैं, उनकी सूची संलग्नक–01 अनुसार है, (पृष्ठ क्रमांक 1 से 27 तक)।

3. क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, रायपुर द्वारा प्रस्तावित परियोजना की लोक सुनवाई के प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुये अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी महोदय से लोक सुनवाई प्रारंभ करने का निवेदन किया गया।

4. अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आप सभी का आज की जनसुनवाई में स्वागत है। इस जनसुनवाई में जो है जैसे कि आर. ओ. साहब ने बता दिया है कि चूना पत्थर उत्खनन के लिए और जो ब्लॉक स्थापना है उसकी पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए आज की जनसुनवाई आयोजित की गई है। आपको इस परियोजना के बारे में यदि कुछ भी बोलना है, तो आप अपना नाम, अपना निवास स्थान और अपने सुझाव अपनी बात समर्थन जो भी आप रखना चाहते हैं तो समक्ष में आकर रख सकते हैं, लेकिन इसके पहले में परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित करती हूँ कि वे परियोजना के बारे में अपना विचार रखें।

5. परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री विनय खण्डेलवाल, ईआईए समन्वयक, जे.एम. एनवायरोनेट प्रा.लि. के द्वारा संबोधित किया गया कि आदरणीय एडीएम मैडम, श्रीमान क्षेत्रीय अधिकारी और उपस्थित सभी आगंतुक का श्री सीमेंट लिमिटेड (मोहरा) चूना पत्थर (ब्लॉक–ए) के लिए आयोजित की जा रही लोक सुनवाई में सभी का हार्दिक अभिनंदन है। यह परियोजना ग्राम मोहरा, पत्थरचुआ, भालुकोना, तहसील सिमगा, पलारी, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा में स्थित है। इस परियोजना में चूना पत्थर की प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 1.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओवर बर्डन 0.16 मिलियन टन प्रतिवर्ष, इंटर बर्डन 0.008 मिलियन प्रतिवर्ष, स्क्रीन वेस्ट 0.167 मिलियन प्रतिवर्ष, टॉप साईल 0.012 मिलियन टन प्रतिवर्ष की उत्पादन क्षमता के साथ, इसमें दो प्रस्तावित क्रशर का भी प्रस्ताव रखा गया है जिसमें कि एक 800 टन का है और दूसरा 400 टन प्रतिघंटा के हिसाब से क्रशर रखा गया है। कंपनी के बारे में बात करें तो कंपनी के देश के विभिन्न राज्यों में जैसे– राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, बिहार, हरियाणा,

झारखंड, उड़ीसा में सीमेंट और ईंट निर्माण की ईकाईयॉ साथ में ग्राईंडिंग ईकाईयॉ भी स्थित हैं। वर्तमान में कंपनी की सीमेंट उत्पादन क्षमता 56.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष है। इस परियोजना के लिए राज्य सरकार द्वारा मंशा पत्र जनवरी 2022 में जारी किया गया था जिसके पश्चात क्षेत्रीय खान नियंत्रक, आईबीएम द्वारा माईनिंग प्लान खनन योजना का अनुमोदन किया गया और उस अनुमोदन के आधार पर राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति, छत्तीसगढ़ के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया था पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए। पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए टीओआर पत्र 03 अक्टूबर 2023 को जारी किया गया था और लोक सुनवाई के दस्तावेज 06 दिसंबर 2023 को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल को प्रस्तुत किया गया था। भारतीय वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना 14 सितंबर 2006 के अनुसार लोक सुनवाई आयोजित होने से पहले 30 दिन पूर्व विज्ञप्ति 02 समाचार पत्रों में देनी होती है, जो कि हिंदुस्तान टाइम्स और दैनिक भास्कर में 29 मार्च 2025 को दी गई। यह भारत के नक्शे पर परियोजना की स्थिति को दिखाता हुआ एक नक्शा है। अध्ययन क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थिति की बात करें तो 10 किलोमीटर त्रिज्या क्षेत्र में किसी प्रकार का नेशनल पार्क, वाइल्डलाइफ सेंचुरी, टाईगर, एलिफेंट कॉरिडोर कुछ भी नहीं आता है। एक संरक्षित वन आता है जो कि 07 किलोमीटर की दूरी पर है। इसके अतिरिक्त खनन पट्टा क्षेत्र के 10 किलोमीटर त्रिज्या क्षेत्र में जल निकाय आते हैं जैसे कि जो नियरेस्ट निकटतम नाला है वह टेंगना नाला है जो कि 170 मीटर दूरी पर है। इसके अलावा महानदी कैनाल है, खोरसी नाला है, कुम्हारी टैंक है यह सभी अध्ययन क्षेत्र के 10 किलोमीटर त्रिज्या क्षेत्र में आते हैं। अध्ययन क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वीकृति को दर्शाता हुआ मानचित्र परियोजना के लिए कुछ आवश्यकताएं होगी जैसे कि 95 केएलडी जल की आवश्यकता होगी जो कि भूजल से लिया जाएगा और जैसे ही माईन ऑपरेशन में आएगी उसके बाद में खदान में एकत्रित वर्षा जल होगा उसके उपयोग से खनन में जो पानी की आवश्यकता है उसकी पूर्ति की जाएगी। विद्युत के लिए 0.67 मेगावाट विद्युत की आवश्यकता होगी जो कि राज्य विद्युत ग्रिड से लिया जाएगा। 43 लोगों की मानव शक्ति की जरूरत होगी परियोजना के लिए और स्थानीय लोगों को उनकी योग्यता, कौशल और कंपनी की आवश्यकता के अनुसार प्राथमिकता दी जाएगी। परियोजना की लागत के बारे में बात करें तो 76.57 करोड़ है। पर्यावरण संरक्षण उपायों के लिए 3.85 करोड़ रुपए और आवर्ती लागत 0.45 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष का प्रावधान रखा है। कुल खनन पट्टा क्षेत्र 127.046 हेक्टेयर है जिसमें कि 1.744 हेक्टेयर सरकारी भूमि है, 0.101 हेक्टेयर चारागाह भूमि है, 125.201 हेक्टेयर निजी भूमि है। राज्य सरकार के द्वारा जो मंशा पत्र जारी किया गया उसकी प्रति दिखाई गई है। मंशा पत्रक में वृद्धि के लिए एक पत्र जारी किया गया राज्य सरकार के द्वारा। खनन विवरण के बारे में बात करेंगे कि किस प्रकार से खनन कार्य किया

जाएगा, इसके लिए माइनिंग प्लान अनुमोदित होता है आईबीएम के द्वारा और उसके अनुसार 51.234 मिलियन टन खनन योग्य भंडार हैं जिसके अनुसार खनन की जो आयु होती है वह 42 वर्ष है, खनन के कार्य की अंतिम गहराई 31 मीटर बीजीएल तक की जाएगी। 300 दिवस कार्य दिवस की संख्या होगी और दो शिफ्ट में काम किया जाएगा। खनन प्रक्रिया में सबसे पहले ड्रिलिंग और कंट्रोल ब्लास्टिंग की जाएगी उसके बाद में लोडिंग करने के बाद में क्रशर से क्रशिंग की जाएगी और उसके बाद में परिवहन किया जाएगा। परियोजना क्षेत्र की जलवायु टीओआर पत्र जारी करने के पश्चात 03 माह का अध्ययन काल लिया जाता है जिसमें कि अक्टूबर 2022 से 15 जनवरी 2023 तक अध्ययन कार्य किया गया और उसमें प्रभावी पवन दिशा उत्तर पूर्व से निर्धारित की गई, उसके आधार पर आसपास के गांवों में और 10 किलोमीटर त्रिज्या क्षेत्र में वायु, ध्वनि, जल, मृदा विश्लेषण की जांच की गई और सभी की मात्रा निर्धारित मानकों के अंदर पाई गई है। अनुमानित वृद्धिशील और भू स्तर सांद्रता में परियोजना के द्वारा यहाँ आस–पास के वातावरण पर कितना प्रभाव पड़ेगा वायु पर, ध्वनि पर, जल गुणवत्ता पर, मृदा पर, वायु गुणवत्ता की बात करें तो 2.44 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की वृद्धि होगी जिसको कि संरक्षण उपायों के द्वारा इसको कम किया जाएगा। खनन के पश्चात भूमि का किस प्रकार से उपयोग किया जाएगा जैसे कि कुल खनन क्षेत्र में से 60.40 हेक्टेयर क्षेत्र में वर्षा का जल एकत्रित किया जाएगा। 41 हेक्टेयर क्षेत्र में पुनर्भरित किया जाएगा। 41.41 हेक्टेयर क्षेत्र का जो भी अपशिष्ट निकलेगा उसे और उसके पश्चात वहाँ पौधारोपण और उस पर घांस प्रत्यारोपण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 3.746 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण हरित पट्िका जो 7.5 मीटर बाउंड्री के चारों ओर इस एरिया में पौधारोपण किया जाएगा। 21.90 हेक्टेयर क्षेत्र अबाधित रहेगा क्रेशर की स्थिति को दर्शाता हुआ सतही प्लान कि क्रेशर कहाँ पर लगाया जाएगा परियोजना में कंसेप्चुअल स्तर पर खनन की आयु समाप्ति पर भूमि का उपयोग किस प्रकार से होगा, कहाँ पर जलाशय बनेगा, कहाँ पर बैक फिलिंग होगी, किसमें प्लांटेशन किया जाएगा किस एरिया में माईनिंग ली जाएगी उसको दिखाता हुआ यह नक्शा है। परियोजना चालू होने के बाद में कोई भी परियोजना होती है तो संभावित प्रभाव पड़ते हैं वायु पर, ध्वनि पर कंपनी के द्वारा प्रयास किए जाते हैं कि वह कम से कम प्रभाव पड़े वायु, ध्वनि, जल और मिट्टी पर, उसके लिए कंपनी के द्वारा वायु गुणवत्ता प्रबंधन योजना बनाई गई है जिसमें कि ड्रिलिंग की जाएगी जो वेट ड्रिलींग की जाएगी, कंट्रोल ब्लास्टिंग नवीनतम तकनीक से ब्लास्टिंग कार्य किया जाएगा। यातायात के लिए सड़कों की मरम्मत की जाएगी समय–समय पर वाहनों मशीनों के नियमित रखरखाव से होने वाले उत्सर्जन को मानदण्डों के अंतर्गत रखा जाएगा। क्रेशर के लिए प्रबंधन की बात करें तो क्रशर हाउस को शीट क्लैडिंग प्रदान की जाएगी। धूल संग्रहण के लिए क्रशर पर बैग फिल्टर उपलब्ध कराया जाएगा।

समय–समय पर मॉनिटरिंग की जाएगी। ध्वनि प्रबंधन योजना की बात करें तो आसपास के क्षेत्रों में खनन पट्टा क्षेत्र में पौधारोपण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त शोर को कम करने के लिए समय–समय पर मशीनों का उचित रखरखाव ऑयलिंग, ग्रिसिंग कार्य किया जाएगा। खदान स्थल पर श्रमिकों को उच्च शोर स्तर से बचाव के रूप में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण प्रदान किए जाएंगे ताकि व्यावसायिक सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए। भूजल की बात करें तो जल प्रबंधन योजना के अंतर्गत सबसे बड़ी बात है कि खनन क्षेत्र के अंदर किसी प्रकार का जल निकाय नहीं है जिससे भूजल या सतही जल पर किसी प्रकार का कोई प्रभाव नहीं होगा। जल स्तर की गहराई 35 से 40 मीटर बीजीएल है उसके अनुसार खनन कार्य की अंतिम गहराई 31 मीटर होगी। जमीन स्तर से नीचे कार्य किया जाएगा और खनन कार्य करने के पश्चात भूमि का उपयोग जलाशय के रूप में किया जाएगा जिससे कि आसपास के जल में वृद्धि हो जल स्तर में कमी न हो। ऊपरी मृदा कोष प्रबंधन योजना के अंतर्गत खनन की आयु समाप्ति तक 5.693 मिलियन टन आरबीएम रिजर्व के साथ 5.838 मिलियन टन वेस्ट जनरेट होगा जिसको कि पुनर्भरित किया जाएगा पुनर्भरण क्षेत्र में। इसके लिए खनन आयु समाप्ति पर किसी प्रकार का वेस्ट डम्प खनन के अंदर माईनिंग खदान के अंदर नहीं होगा जिससे उसके आसपास रिटेनिंग वॉल गारलेण्ड ड्रेन का निर्माण किया जाएगा ताकि वर्षा जल को संचित किया जा सके और उसको जितना हो सके उपयोग में लिया जा सके। ग्रीन बेल्ट की अभी बात की थी तो खदान के कार्यकाल समाप्ति पर 41 हेक्टेयर में बैक फिल्ड में पौधारोपण किया जाएगा। वन विभाग के परामर्श और सीपीसीबी के दिशा–निर्देशों के अनुसार जो यहॉ की स्थानीय प्रजातियॉ हैं पौधारोपण किया जाएगा। व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के अंतर्गत कंपनी पहले से ही स्वस्थ सुरक्षित काम और समय–समय पर श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी, उनके स्वास्थ्य का नियमित अंतराल पर एक रिकार्ड रखा जाएगा और कंपनी के द्वारा प्रयास किया जाएगा कि किसी प्रकार के स्वास्थ्य पर चाहे वह श्रमिक हो, चाहे आसपास गांव वाले हो, किसी प्रकार का उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े। सामाजिक–आर्थिक विकास में जहॉ भी अपने सीमेंट प्लांट, ग्राइंडिंग ईकाईयॉ लगाते हैं। आसपास के क्षेत्रों का विकास करते हैं। इसके लिए इस परियोजना के लिए भी कंपनी ने शैक्षणिक आवेदन, स्वास्थ्य सुरक्षा, सतत आजीविका, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक विकास कल्याण बुनियादी ढांचे का विकास इन सभी क्षेत्रों में कंपनी के द्वारा कार्य किया जाएगा। कंपनी का इस परियोजना में आने से आसपास के क्षेत्र का विकास होगा, ग्राम वासियों का विकास होगा, साथ में आप लोगों के सलाह, विचार, विमर्श के अनुसार खनन कार्य किया जाएगा, धन्यवाद।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि अब मैं आप लोगों को आमंत्रित करती हूँ कि आप इस परियोजना के

संबंध में अपना विचार या सुझाव, समर्थन, विरोध जो भी बात कहना हैं समक्ष में आकर प्रस्तुत करें।

1. श्री दिलीप कुमार वर्मा, राष्ट्रीय सचिव इंडियन नेशनल सीमेंट फेडरेशन, अध्यक्ष छत्तीसगढ़, श्री मजदूर सीमेंट संघ इंटक, कार्यकारी अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ मोल्डिंग इस्पात कर्मचारी यूनियन इंटक, अध्यक्ष, जन मित्र कल्याण समिति रायपुर ने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा जो जनसुनवाई रखा गया है उसमें उपस्थित आदरणीय अपर कलेक्टर मैडम, एसडीएम मैडम, आदरणीय पर्यावरण अधिकारी, आदरणीय पुलिस अधिकारी, स्टाफ, आदरणीय संयंत्र प्रबंधन, आदरणीय जनप्रतिनिधि, आसपास से आए हुए सरपंच, जनपद, वरिष्ठ नागरिक, मेरे इंटक के कार्यकर्ता, सम्माननीय पत्रकार महोदय और वरिष्ठ नागरिक, मैं सभी को प्रणाम करता हूॅ। आज जो जनसुनवाई रखा गया है इसका मैं स्वागत करता हूॅ अभिनंदन करता हूॅ और मैं इसका मैं पूर्ण समर्थन करता हूॅ। मैं समर्थन इसलिए कर रहा हूॅ कि यह संयंत्र हमारे पास के गांव खपराडीह में 13 साल से संचालित है, मैं देखते आया हूॅ कि जब यह सीमेंट प्लांट ने जो कार्य किया है, मैं आसपास के प्लांट को इसके जितना काम करते हुए नहीं देखा हूॅ। इसने आसपास के बेरोजगार युवाओं को 90% रोजगार देने का काम किया है और रोजगार देने के साथ–साथ ठेका श्रमिकों को भी इतना मजबूत किए हैं कि 15 से 20000 रुपए सैलरी ठेका श्रमिक साथी उठा रहे हैं। साथ ही साथ यह इस क्षेत्र में ऐसे काम कर रहे हैं जिसे मैं बताना चाहता हूॅ आसपास के गांव में आप घूम कर देखें एक तालाब भी ऐसा नहीं बचा होगा जिसमें सीएसआर मद के तरफ से श्री रायपुर सीमेंट प्लांट ने खुदाई नहीं किया होगा पूरा रोड बना चुके हैं नाली बना चुके हैं यहॉ तक कि सामुदायिक भवन रंगमंच इसके साथ–साथ शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को जो बैग और जो सुविधा प्रदान किया जाता है यहॉ तक कि स्कूल में कोई काम पड़ रहा है मरम्मत का काम होता है उसे किया जाता है। महिला समूह के लिए सीएसआर मद से शिक्षा के काम कोई भी कार्यक्रम होता है महिला सम्मान समारोह सभी में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। यहॉ तक कि युवा साथियों के लिए रोजगार का अवसर दिए हैं। साथ ही साथ खेलकूद में भी बढ़ावा दे रहे हैं खेलकूद में भी सहयोग कर रहे हैं। इससे क्षेत्र का विकास हो रहा है क्षेत्रवासी आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं यहॉ तक कि जल संरक्षण का काम कर रहे हैं। तालाबों की खुदाई का काम श्री सीमेंट द्वारा किया जाता है। मैं इससे बड़े यह देखा हूॅ कि अगर क्षेत्रीय गांव के गरीब लड़की की शादी हो रही है उसमें दहेज जिसे हम छत्तीसगढ़ में टिकावन कहते हैं वह भी देने का काम श्री सीमेंट कर रही है यह अगर प्लांट आ रहा है माईंस का विस्तार हो रहा है तो आसपास का गांव है पथरचुवा, फुण्डहरडीह, भालूकोना है बोईरडीह है इस क्षेत्र का वैसे ही विकास होगा और इसी विकास को देखते हुए मैं समर्थन करता हूॅ और मैं मेरे

जितने इंटक के कार्यकर्ता है 400 कार्यकर्ता के साथ समर्थन करता हूँ, सम्मान करता हूँ और 400 कार्यकर्ताओं के समर्थन का पेपर भी पर्यावरण अधिकारी को सौंपता हूँ।

2. श्री नीलम संजय भारद्वाज, ग्राम बुडगहन ने कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित लोक जनसुनवाई का मैं भरपूर समर्थन करता हूँ, चूना पत्थर का समर्थन करता हूँ।

3. श्रीमती तारिणी देवांगन वर्मा, सरपंच, ग्राम पंचायत मोहरा ने कहा कि प्रति सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, सेक्टर 19, नवा रायपुर अटल नगर रायपुर छत्तीसगढ़ विषय मेसर्स श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित ग्राम मोहरा, पत्थरचुआ एवं भालुकोना में लाईमस्टोन क्रेशर के पर्यावरण की जनसुनवाई के संदर्भ बाबत्। महोदय निवेदन है कि मेसर्स श्री सीमेंट लिमिटेड (मोहरा (ब्लॉक–ए) लाईम स्टोन क्वारी), ग्राम–मोहरा, तहसील–सिमगा तथा ग्राम–पत्थरचुआ एवं भालुकोना, तहसील–पलारी, जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) स्थित ग्राम–भालुकोना, तहसील–पलारी स्थित खसरा क्रमांक–1,2 एवं अन्य 50 खसरे, ग्राम–मोहरा, तहसील–सिमगा स्थित खसरा क्रमांक–1673/1, 1673/2 एवं अन्य 34 खसरे, ग्राम–पत्थरचुआ, तहसील–पलारी स्थित खसरा क्रमांक–144, 154 एवं अन्य 327 खसरे, कुल क्षेत्रफल 127.046 हेक्टेयर में प्रस्तावित लाईमस्टोन प्रोडक्शन – 1.50 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओवर बर्डन – 0.16 मिलियन टन प्रतिवर्ष, इंटर बर्डन – 0.008 मिलियन टन प्रतिवर्ष, स्क्रीन वेस्ट – 0.167 मिलियन टन प्रतिवर्ष, टॉप स्वाईल – 0.012 मिलियन टन प्रतिवर्ष, टोटल एक्सवेशन – 1.847 मिलियन टन प्रतिवर्ष, प्रपोस्ड प्राईमरी क्रशन – 800 टन प्रतिघंटा एवं सेकेण्डरी क्रशर – 400 टन प्रतिघंटा, एलोंग विथ वॉबर के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई बाबत् निम्न बिंदु पर पुरजोर विरोध करते हैं– प्रस्तावित लाइमस्टोन रोजगार पूरक नहीं है क्योंकि इसमें स्थानीय बेरोजगार युवकों को कोई रोजगार नहीं मिलेगा। चूंकि इस क्षेत्र में पहले से बड़े–बड़े उद्योग एवं पत्थर खदानें हैं जिसमें भूमिगत जल जिसका जल स्तर लगातार गिरते जा रहा है ऐसे में एक और पत्थर खदान होने से पानी की समस्या और बढ़ जाएगी। इस प्रस्तावित लाइमस्टोन से पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है क्योंकि खदानों के निर्माण की मिट्टी को हटाकर उसके बाद विस्फोट करके पत्थर प्राप्त किया जाएगा जिससे आसपास के गांवों के घर में दरारें एवं छोटे बच्चे पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। चूंकि आसपास पहले से अनेकों उद्योग लगने के कारण वाहनों का आगमन अधिक हो रहा है तथा सड़कों की क्षमता से अधिक भार वाले वाहन चल रहे हैं जिसमें आए दिन जान माल का नुकसान हो जा रहा है ऐसे में एक और पत्थर लगने से इस क्षेत्र वासियों को मुश्किल हो जाएगा। कोई भी उद्योग या खदानें लगने से उस समय प्रबंधन के द्वारा उस क्षेत्र के विकास के लिए बड़े–बड़े दावे किए जाते हैं मगर

एक बार उद्योग या खदान लगने के बाद उस क्षेत्र की अनदेखी कर दिया जाता है जिसका ताजा उदाहरण इसी क्षेत्र को देख लीजिए मोहरा से मोहरेंगा रोड, हिरमी से रावण, हिरमी से सुहेला रोड जो लगभग 10 वर्षों से खराब है आसपास के क्षेत्र में पहले से बड़े–बड़े पत्थर खदानें हैं खदाने होने के कारण आसपास के क्षेत्रों में सडक और पानी की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। इस खनन परियोजना से हमारे जीवन शैली स्वास्थ्य पर धर्म संकट आएगा बड़े–बड़े माल वाहन गाड़ियों के चलने से सड़क मार्ग की दुर्दशा होना तय है। इससे ग्रामवासी और सरकार को आर्थिक नुकसान होना तय है। अतः हम आपसे निवेदन करते हैं कि प्रस्तावित खनन परियोजना को तत्काल निरस्त किया जाए ग्राम वासियों की राय का सम्मान करते हुए इसे गंभीरता से लिया जाए। इस क्षेत्र को खनन निशिद्ध क्षेत्र घोषित किया जाए, आपसे अपेक्षा है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए हमारी आपत्ति को रिकॉर्ड किया जाए और उपयुक्त कार्यवाही की जाए।

4. श्री देवेंद्र वर्मा, पुत्र स्व. श्री पूरन लाल वर्मा, ग्राम मोहरा ने कहा कि सर्वप्रथम समस्त ग्रामवासी, पर्यावरण विभाग से आए हमारे अधिकारी, श्री सीमेंट से आए हुए हमारे अधिकारी, सभी को मेरा प्रणाम। महोदय माईनिंग से बहुत सी समस्याएं होने वाली है उनमें से सबसे बड़ी समस्या पानी की है, जिसके ऊपर प्रकाश डाल रहा हूॅं। आज हमारा ग्राम पानी की समस्या से जूझ रहा है, प्रत्येक वर्ष वाटर लेवल ग्राउंडवाटर लेवल नीचे जा रहा है, माईनिंग के आने से जल स्रोत और भी नीचे जाएगा। उदाहरण के रूप में हमारे पड़ोसी गांव परसवानी एवं हिरमी को हम देख सकते हैं। महोदय भविष्य बनाना हमारे हाथ में है हमारे आने वाली पीढ़ी इस परेशानी से न जूझे इसके लिए मैं मोहरा ब्लॉक ए लाइमस्टोन माइनिंग के विरोध में अपना प्रस्ताव सबमिट कर रहा हूॅं।

5. श्री तेजराम देवांगन, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना समर्थित पार्टी जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी तिल्दा खड़ अध्यक्ष ने कहा कि जो खदान खुलने वाला है उसका मैं जबर्दस्त विरोध करता हूॅ और विरोध इस नाम से कर रहा हूॅ कि जब से यह संचालित है कंपनी तो बलौदाबाजार से लेकर सुहेला तक जितने भी सड़क हैं उनका खस्ता हाल है क्योंकि उस कंपनी की गाड़ी रोज चल रही है, रोज चलने से उस क्षेत्र के चलने वाले लोग रोज मर रहे हैं इसलिए मैं विरोध कर रहा हूॅ और इस क्षेत्र में जब खदान खोल रहे हैं इससे पहले और खदान खोले हैं उसके नाम से यहॉ आस–पास के क्षेत्र को देखते हैं तो यहॉ पानी की समस्या बहुत है रोज टेंकर मंगा कर यहॉ के लोग अपना निस्तारी कर रहे हैं तो हम लोग और इस खदान को खोलकर हम पानी की समस्या को और क्यों बढ़ाएंगे और इस क्षेत्र में 5 किलोमीटर की दूरी में एक जंगल है और उस जंगल में देखेंगे तो जंगली सूअर और कम से कम 45 प्रकार के और अन्य जीव जंतु रहते हैं

जिसका इस खदान के खुलने से और मरणासन्न होगा क्योंकि यह आसपास के पेड़ पौधे को तो काटेंगे ही तो वे कहॉ जाएंगे और शिकार होंगे रोड रास्ते में जाकर और मरेंगे हम तो मानव अपना जीवन कैसे भी चला सकते हैं लेकिन जीव जंतु क्या करेंगे तो मैं कंपनी का जबरदस्त विरोध करता हूॅ।

6. श्री लिलेंद्र कुमार साहू, सरपंच प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत औरासी, आश्रित ग्राम छिराही ने कहा कि बाहर से आए अधिकारी गण, पर्यावरण और श्री सीमेंट के अधिकारी गण, आम जनता और जितने बाहर से आए हैं, सभी को मैं नमस्कार करता हूॅ। आज यह जो जनसुनवाई हो रही है महोदय जी मैं बता देना चाहता हूॅ यहॉ के सरपंच को भी कोई जानकारी नहीं है। मैं यहॉ बता देना चाहता हूॅ कि यहॉ के सरपंच से बात हुई तो उन्होंने कहा कि उनको कोई सूचना नहीं दिया गया है न ही आमसभा की बैठक हुई है न ही पंचगणों का आपसी कोई मीटिंग हुआ है न बस्ती में कोई बात हुई है और यह इल्लीगल तरीके से यह जनसुनवाई हो रही है तो इस जनसुनवाई का मैं विरोध करता हूॅ और एक बात और बता देना चाहता हूॅ कि सरपंच महोदय ने बताया था कि हमें कोई सूचना तो दिए नहीं है न बस्ती में दिए हैं न हम सरपंचों को बताया गया है और वाटर टेबल जो डाउन हो रहा है इसकी स्थिति जस्ट नेक्स्ट ग्राम रावन और झीपन को देख सकते हो वहॉ भी खनन है इतना वाटर लेवल की स्थिति खराब है कि धोने के लायक तो नहीं है पीने के लायक मुश्किल से टेंकर में दे रहे हैं इस नाम से विरोध करता हूॅ और दूसरी चीज है पर्यावरण में 25 परसेंट कम से कम पौधा रोपण करना चाहिए साल में 01 लाख पौधारोपण करना चाहिए ये लोग कुछ नहीं करते हैं मनमानी तरीके से करते हैं और इस जमीन को जो खरीदे हैं कुछ जमीन यहॉ का खरीद चुके हैं और खरीद रहें हैं खरीदने के बाद में यह लोग जनसुनवाई कर रहे हैं, जबकि खरीदने से पहले जनसुनवाई किया जाता है और जमीन खरीदने के बात आती है तो ये लोग बहुत ही कम रकम में बहुत ही कम रुपए में खरीदे हैं जिसे अभी के डेट में करोड़ रुपए एकड़ में खरीदना चाहिए और जिनका जमीन निकला है उसे डिफरेंस राशि करोड़ों रुपए देना चाहिए और भू अर्जन के हिसाब से जमीन को खरीदना चाहिए और आसपास में जो वृद्धा है 60 साल से ऊपर है उन्हें पेंशन देना चाहिए जो भी मूल्य दर बनाकर और युवाओं को रोजगार के लिए तो ऐसे उल्लू बनाते हैं जिसका अंदाजा नहीं लगा सकते हैं रोजगार देंगे कहकर पूरे बाहरी लोगों को यहॉ बसा देते हैं, कम से कम 90% यहॉ के लोकल आदमी को रोजगार देना चाहिए तो बाहरी आदमी को देते हैं रोजगार देते हैं लोकल को तो लेबर और कुली कबाड़ी का डिप्लोमा डिग्री उसके हिसाब से देना चाहिए और बता देना चाहता हूॅ महोदय जी यहॉ के अधिकारी गण हम लोगों का न सरपंच का, न लोकल लोगों का सुनते हैं, सीधा नेता मंत्रियों का फोन आता है उनको काम देते हैं हमारी नहीं सुनते हैं यह इतना दादागिरी है इनका और अभी और बता देता हूॅ यह श्री सीमेंट में

बीच में घटना हुई थी खपराडीह में 24 बच्चे बीच में उनकी तबीयत खराब हो गई थी गैस के रिसाव की वजह से बेहोश हो गए थे तो यह मैं चाहता हूॅ कि ऐसा दोबारा यहॉ न हो यहॉ की स्थिति खराब न हो और वाटर लेवल जो बोला हूॅ तो आप लोग राजस्थान की घटना जान रहे होंगे जहां एक गांव है जहॉ 900 फीट इसी खनन के चक्कर में नीचे आ गया था वहॉ की स्थिति इतनी बुरी थी कि वहॉ पौधारोपण करके उसे उसके प्रति आगे बढ़ाए तो फिर आज के डेट में ठीक है लेकिन मैं इसका विरोध इसलिए और करना चाहता हूॅ। एक बड़े भैया अभी एक जन ने कहा वर्मा जी बोले थे इसका समर्थन कर रहे थे बेटियो का विवाह करते हैं तो उसमें कन्यादान करते हैं कहकर यह पूर्णतः गलत बात है आसपास में कोई ऐसा नहीं होता है गलत बात किए हैं मैं उसका विरोध करता हूॅ। अगर प्रत्येक जगह खनन होते रहेगा हर जगह खनन अगर प्लांट बनाएंगे तो फिर कृषि कहॉ से होगा सभी भूमि को प्लांट वाले कंपनी वाले को देते रहेंगे तो कृषि के आय की व्यवस्था कहॉ से होगी अन्नदाता जो होता है किसान है किसान के ही साथ शोषण हो रहा है तो मैं चाहता हूॅ इसका पूर्णतः विरोध होना चाहिए और यहॉ पर माइंस नहीं बैठना चाहिए।

7. कुमारी दानेश्वरी साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल से उपस्थित सभी सर मैडम को मैं नमस्कार करती हूॅ। मैं श्री सीमेंट की तरफ से काउंसलर नियुक्त की गई हूॅ। मैडम और सर मैं आप लोगों को यह बताना चाहती हूॅ कि श्री सीमेंट द्वारा जो कार्य कराया जा रहा है खासकर जो कौशल विकास के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है वह काफी सराहनीय है क्योंकि हम सभी को पता है कि ग्रामीण क्षेत्र में जो भी युवा रहते हैं आजकल देश के विकास में सबसे जो महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है वह कहीं के भी युवा ही निभा रहे हैं, तो मैं यह सबको अवगत कराना चाहूंगी जैसे कि किसी भी घर की जो महिलाएं होती है ये लोग क्या कह रहे हैं श्री सीमेंट वाले मेन जो है वहॉ पर महिला सशक्तिकरण, योग विकास इन सबको बढ़ावा दे रहे हैं महिला सशक्तिकरण का मतलब यह है कि जो महिलाएं जिनको खुद को जीविकोपार्जन के लिए कुछ करने की चाह होती है कुछ सीखने की चाह होती है तो अक्सर ऐसा होता था कि हमें किसी सिटी में जाकर या किसी शहर में जाकर कार्य करते हुए सीखना होता था लेकिन अभी क्या किए हैं इन लोग जिस गांव में महिलाएं सीखने की इच्छुक हैं वहॉ पर सिलाई सीखा रहे हैं वहॉ पर कम्प्यूटर सीखा रहे हैं आजकल सभी को पता है कि कम्प्यूटर का कितना उपयोग बढ़ गया है तो यह लोग जिस भी गांव में जो बच्चे अगर वहॉ पर नहीं जा पाते कम्प्यूटर सेंटर में तो यह लोग जिस गांव में बच्चे की संख्या ज्यादा रहती है वहॉ पर यह अपना कम्प्यूटर सेंटर स्थापित करके कम्प्यूटर का कार्य करा रहे हैं उनको रोजगार से जोड़ रहे हैं, स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं। हमारा यह मकसद है कि जो भी युवा है या फिर जो भी महिलाएं हैं या फिर जो भी छत्तीसगढ़ के या फिर जो निवासी हैं उनको हम रोजगार

या फिर स्वरोजगार से जोड़ना चाहते हैं चाहे वह अपने घर में बैठकर काम करें चाहे वह बाहर में जाकर काम करें हम उनको प्रशिक्षण देकर इतना प्रशिक्षित कर देते हैं कि वह कहीं पर भी जाकर जॉब कर सके इन्होंने हमारा जो है हम होंगे कामयाब हैं, काउंसलर में जो मेन भूमिका निभा रहे हैं जो मार्गदर्शन केंद्र होता है खासकर के जो बच्चे जिनको यह नहीं पता रहता है कि 12वीं के बाद क्या करें, दसवीं के बाद क्या करें या फिर जिनको कौशल विकास योजना इन सब में जगह–जगह कैंप भी लगवाते हैं जिससे हम बच्चों को मार्गदर्शन करते हैं या फिर जो हम जागरूकता फैलाते हैं अवेयरनेस कार्यक्रम रखते हैं जैसे कि जो भी सेनेटरी पैड वगैरह रहते हैं जो गांव की महिलाएं रहती है जो इन सारे चीजों पर बात करने से झिझकती हैं उनको हम लोग एक जागरूकता कार्यक्रम फैलाकर उनमें हम लोग एक जागरूकता अभियान चलाते हैं उनको सेनेटरी पैड बांटते हैं जो भी सिलाई करने आती है महिलाएं उनको हम लोग स्वरोजगार से जोड़ने की कोशिश करते हैं और हमारे साथ ऐसे ही 50 और समर्थक हैं मैम जिसका मैं यह पर्चा लेकर आई हूॅ। अतः हम चाहते हैं कि जो यह गांव है यहॉ पर जो भी माईन्स लगने वाला है इसका हम पूरी तरह से समर्थन करते हैं क्योंकि हमें यहीं से रोजगार मिला है अगर आप औद्योगिक को अपने गांव में आने देंगे तो आपके गांव का विकास होगा, गांव का विकास होगा आपके युवाओं का विकास होगा और युवाओं के विकास से ही हमारा देश हमारा छत्तीसगढ़ आगे बढ़ेगा अगर आप औद्योगिक क्रांति लाने देंगे तो आपके गांव का इतना विकास होगा आपके युवाओं का इतना विकास होगा कि आपको कहीं नौकरी की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। आजकल लोग अपने घर के आसपास ही नौकरी ढूंढते हैं ठीक है तो अपने आसपास ही नौकरी ढूंढते हैं तो यह अच्छा सुनहरा अवसर कि आपके आसपास अगर यह फैक्ट्री या जो भी चीजें ओपन हो रही है चूना पत्थर ओपन हो रही है तो आपको एक रोजगार का अवसर मिलेगा तो हम लोग इसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं हम चाहते हैं कि आप लोग भी इनका समर्थन करें धन्यवाद। मैं 50 लोगों का समर्थन पत्र आप लोगों को समर्पित करती हूॅ।

8. श्री सत्यवान बांधे, पिता श्री संतोष कुमार बांधे ग्राम फुंडहरडीह ने कहा कि मैं इस कार्यक्रम और यहॉ पर जो जनसुनवाई है और श्री सीमेंट के द्वारा जो कार्य है इसका विरोध करता हूॅ। इस खदान के खनन से जो ग्राम की स्थिति है जैसे हमारे आसपास जुड़े हुए ग्राम पंचायत जैसे हो गया तिल्दा बांधा, हिरमी नेवारी यहॉ की स्थिति अभी वर्तमान में जल संकट से जूझ रही है कि वहॉ पीने का पानी का बहुत समस्या है और वर्तमान में ग्राम पंचायत फुंडहरडीह से बोईरडीह और पत्थरचुआ में पीने योग्य पानी की इतनी असुविधा है कि लोग त्राहि त्राहि हो रहे हैं मैं मैडम से अनुरोध करता हूॅ कि इस वर्तमान स्थिति में जो श्री सीमेंट के द्वारा जो लगाया जा रहा है इसका विरोध है

और अपने साथी मेरे गांव वाले दोस्तों के साथ, भाइयों के साथ माताओं के साथ इनका विरोध करता हूॅं।

9. श्री राम कुमार वर्मा, तिल्दा ने कहा कि मेरा यह कहना है कंपनी प्रबंधन से कि आसपास के जितने भी क्षेत्र इस प्लांट के अंदर आ रहे हैं इसमें सभी जो भी परेशानियॉ हैं उसको दूर करें और मैं इतना कहना चाहॅूगा कि यह सब न हो जो भी हमारे युवाओं को रोजगार दें और सीएसआर मद से गांव का सभी विकास करें, इसी के साथ में इस पर्यावरणीय जनसुनवाई का समर्थन करता हूॅं।

10. श्रीमती अदिती बाघमार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य, बलौदाबाजार ने कहा कि पर्यावरण से आए हुए अधिकारी गण, समस्त जनप्रतिनिधि गण, श्री सीमेंट के समस्त अधिकारी गण आप सभी का मैं हार्दिक अभिनंदन करती हॅूं। आज के इस आधुनिक युग में अब पहले जैसा विस्फोटक सामानों के साथ विस्फोट नहीं किया जाता है पहले खदानें चलती थी तो दूर–दूर तक आवाजें आती थी जिससे ध्वनि प्रदूषण भी होता था विस्फोट से घरों के दीवार भी टूट जाते थे। माईन्स विस्तारीकरण कंपनी के संबंध में प्रबंधन से कहना चाहती हॅूं कि मॉक ब्लास्टिंग होना चाहिए जिससे ध्वनि प्रदूषण कम से कम हो तथा पर्यावरण को भी नुकसान न हो। आसपास में रहने वाले लोगों को नुकसान कम से कम हो खदानों में जो पानी इकट्ठा रहता है उसका उपयोग आसपास के गांवों में होना चाहिए जैसे अभी एक लड़के ने कहा कि पानी की समस्या है तो समस्या अभी हर जगह है और ऐसी जब स्थिति विकसित होती है तो माइंस का पानी पूरे गांव में वितरण होना चाहिए, पेयजल की समस्या को इससे हेल्प लिया जा सकता है। माइंस के खुदाई की जो मिट्टी रोड किनारे डाला जाता है उस मिट्टी के ऊपर पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाया जाना चाहिए ताकि पर्यावरण का संरक्षण हो सके हरियाली बनी रहे। दोबारा मैं फिर से बोलती हॅूं माक ब्लास्टिंग होना चाहिए और मापदंड के अनुसार एवं नियमानुसार खुदाई होना चाहिए क्योंकि अधिकतर मापदंड के अनुसार खुदाई नहीं होती है तो इसका ध्यान रखा जाए। उद्योगों के आने से क्षेत्र का विकास होता है और हुआ भी है इसे नकारा नहीं जा सकता है, चाहे रोजगार से संबंधित हो, चाहे शिक्षा से संबंधित हो, स्वास्थ्य से संबंधित हो, चाहे पर्यावरण आधारित संरचना से संबंधित हो। हम देख रहे हैं हमारे क्षेत्र के युवाओं को रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है ग्रामीण विकास में संयंत्र की भागीदारी रहती है जिसका हम स्वागत करते हैं। क्षेत्र का विकास आपसी सामंजस्य से किया जा सकता है जिसमें हम क्षेत्र वासियों को और कंपनी प्रबंधन को तालमेल बनाकर चलना होगा। विगत समय से हमारे क्षेत्र के युवाओं की मांग रही है जितने भी बेरोजगार हैं उनके शैक्षणिक योग्यता के अनुसार संयंत्र रोजगार प्रदान करेगी। हमेशा हमारे युवा भाइयों की शिकायत रहती है कि बाहरी लोगों को रोजगार दिया जा रहा

है, तो मैं कंपनी प्रबंधन से निवेदन करना चाहूंगी कि हमारे युवा भाइयों की बातों को गंभीरता से ले और उनकी समस्याओं का निराकरण करें। मुझे भरोसा है संयंत्र टीम हमारे युवा भाइयों की समस्याओं पर और रोजगार पर गंभीरता दिखाएगी। दूसरी बात मैं कंपनी प्रबंधन से निवेदन करती हूॅ हमारे क्षेत्र में जिसको तीसरी बार मैं प्रयोग कर रही हूॅ पर्यावरण का ध्यान रखते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाइए क्योंकि हर जगह जहां भी प्लांट लगा हुआ है वहॉ पर्यावरण को ध्यान में नहीं रखते हैं। मैं बार–बार यही निवेदन करना चाहती हूॅ कि पर्यावरण को ध्यान रखते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाइए। तीसरी बात श्रमिक भाइयों के प्रति विशेष ध्यान दिया जाए सुरक्षा के प्रति केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही हमारे सभी भाइयों के प्रति संवेदनशील है। आप भी हमारे श्रमिक भाइयों और युवा भाइयों के प्रति संवेदनशील रहिए और क्षेत्र में अपना योगदान दीजिए क्योंकि सुरक्षा की दृष्टिकोण से मैं देखती हूॅ कि वहॉ आपके जो कंपनी प्रबंधन उतना सिनसियर नहीं है, उसे ध्यान में रखना चाहिए, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्य होना चाहिए। जनसुनवाई में अपना समर्थन देते हुए कहना चाहती हूॅ संयंत्र प्रभावित क्षेत्रों से तालमेल बनाकर इस क्षेत्र और क्षेत्र की जनता का विकास करें। यहॉ पर उपस्थित सभी साथियों से अनुरोध करती हूॅ कि यह अपनी बातों को अधिकारपूर्वक, शांतिपूर्वक संयंत्र के समक्ष रखें। मैं हमारे युवा भाइयों के रोजगार की मांग का पुरजोर समर्थन करती हूॅ, उनका हक उन्हें जरूर मिलना चाहिए, मेरे युवा भाई आगे बढ़े इस क्षेत्र की जनता आगे बढ़े मेरा प्रदेश आगे बढ़ेगा और प्रदेश आगे बढ़ेगा तभी हमारा देश आगे बढ़ेगा। मैं इस जनसुनवाई में अपना समर्थन देती हूॅ। हल्ला न करें आप लोगों की ही बातें रख रही हूॅ क्योंकि मैं भी युवाओं के साथ हूॅ और आप लोगों के साथ हूॅ, प्लांट तो नहीं आया है तो आपको रोजगार कहॉ से मिलेगा रोजगार नहीं मिलेगा तो आपका विकास कहॉ होगा मैं समर्थन करती हूॅ। हम कंपनी का पाठ किसी का पाठ नहीं पढ़ते हैं इसमें हमारा कोई स्वार्थ नहीं है हम देश का और प्रदेश का और इस क्षेत्र की उन्नति चाहते हैं इसलिए हम समर्थन करते हैं हम खुलकर समर्थन करते हैं। हमारा कोई स्वार्थ नहीं है जिसको जो बोलना है शांतिपूर्वक अपनी बात रखें।

11. श्री सूरज सतनामी, प्रदेश सतनामी समाज छत्तीसगढ़ ने कहा कि यहॉ पर विरोधाभास हो रहा है, तो मैं मैडम से बोलना चाहूंगा क्योंकि बजरंग पार्टी सब पीछे में खड़े हैं एक निश्चित अवधि डिसाइड कीजिए कि सभी व्यक्ति को बोलने का अधिकार रहे। मेसर्स श्री सीमेंट का जो चूना पत्थर ब्लॉक का माईनिंग के पर्यावरणीय जनसुनवाई का हार्दिक स्वागत और समर्थन करता हूॅ और क्षेत्रीय बेरोजगार भाइयों और बहनों के लिए रोजगार की मांग करता हूॅ और पर्यावरण अधिकारी और एसडीएम मैडम को अपना समर्थन पत्र प्रस्तुत करता हूॅ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि अपनी बात संक्षिप्त में रखिए।

12. श्री जितेन्द्र कुलदीप, छत्तीसगढ सतनामी समाज़ आरंग ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि मैं इस कंपनी का समर्थन करता हूँ और कंपनी प्रबंधन को कहना चाहता हूँ कि सीएसआर मद से जितने भी प्रभावित ग्राम है उनका विकास हो और गांव के नवयुवक बेरोजगार भाइयों को रोजगार मिले और मैं इस कंपनी का समर्थन करता हूँ।

13. श्री सुरेश सतनामी, अखिल भारतीय सतनाम सेना ने कहा कि मैं इस प्लांट का समर्थन करता हूँ।

14. श्री शेषनारायण धुरंधर, छत्तीसगढ़ी किसान संघ छत्तीसगढ़ी समाज प्रदेश सचिव ने कहा कि मैं इस जनसुनवाई के विरोध में खड़ा हूँ, यह खदान के बनने से निवासियों को भी रोजगार नहीं मिलेगा। इसमें किसी किसान का कुछ फायदा नहीं है, बल्कि इसके बनने से आसपास का जितना ट्यूबवेल है, उसका पानी सूख जाएगा पीने के लिए पानी नहीं रहेगा। बड़ा–बड़ा ब्लास्टिंग होगा खदान में, तो घर में पीने के लिए पानी नहीं रहेगा। बोर का मशीन अटक जाएगा पत्थर खिसक जाएगा किसान भाइयों सजग हो जाओ इसे कभी न खुलने दे इस कंपनी को खदान को विरोध में दे रहा हूँ।

श्री देवेंद्र वर्मा, ग्राम मोहरा ने पुनः कहा कि महोदय मैं आप सबसे यह कहना चाहता हूँ कि जनसुनवाई हमारे क्षेत्र का है माईनिंग हमारे क्षेत्र का है, मैडम समस्या यह है कि बाहरी क्षेत्र के आदमी आकर यहॉ पर जनसुनवाई में बोल रहे हैं, सपोर्ट कर रहे हैं वह गलत है, मैडम बाहरी क्षेत्र वाले भी बोलेंगे क्या यहॉ मैडम हमारे क्षेत्र का है हमारे क्षेत्रवासी ही बोलना चाहिए।

15. श्री संजय कुमार वर्मा, बलौदाबाजार ने कहा कि मैं श्री सीमेंट का समर्थन करता हूँ इसका परिचय बहुत ही अच्छा है आसपास प्रगति और खुशहाली लाने के लिए यह हमेशा प्रयत्नशील रहते हैं और ये हमेशा चाहते हैं कि खुद भी आगे बढ़े और उसके साथ जो आसपास के ग्रामीण हो चाहे जो भी इस संस्था से जुड़े हुए लोग हैं वे सभी आगे बढ़े, इसका परिचय बहुत अच्छा है यह पर्यावरण पर भी विशेष ध्यान देते हैं।

16. श्री रामचंद्र रजक, बलौदाबाजार ने कहा कि इस माईनिंग के लिए मैं फुल समर्थन करता हूँ, क्योंकि एक रोजगार रहेगा तो हम अपना शिक्षा बढ़ा सकते हैं और शिक्षा बढेगा तो रोजगार बढेगा और एक अच्छे से पढ़े लिखे नौकरी मिलेगा, जिससे हम आगे स्थान में बढ़ सकते हैं, मैं समर्थन करता हूँ।

17. श्री संतोष कुमार वर्मा ने कहा कि इस माईनिंग का विरोध करता हूॅ क्योंकि मैंने अपने जीवन में देखा है कि इससे कोई लाभ नहीं होता है किसानों को, अपना कागज प्रस्तुत करता हूॅ।

18. श्री मनीष वर्मा, ग्राम मोहरा ने कहा कि मैं इस माइनिंग प्रोजेक्ट का भरपूर विरोध करता हूॅ और विरोध के कुछ बिंदु है मेरे पास सबसे पहले तो जल स्तर गिरा हुआ है जिससे कृषि बहुत ज्यादा प्रभावित है। दूसरा पेयजल की समस्या क्षेत्रवासी बहुत बूरी तरीके से जूझ रहे हैं। इसके बाद आप हमेशा प्रलोभन देते हैं क्षेत्र का विकास होगा, रोजगार मिलेगा एक रेशियो तो आप लोग बताते हैं टेक्नीशियन का इतना परसेंट लेंगे अनस्किल्ड स्किल्ड इतना परसेंट लेंगे उस रेशियों में कहीं भी कोई काम नहीं हुआ है, हर जगह में धांधली है और धांधली के सिवाय जमीन की खरीदी से किसानों को बेवकूफ बनाकर जमीन खरीदी की जाती है उसके बाद जो भी कर्म किया जाता है, यह एक बिंदु हो गया। दूसरा रोजगार हर गांव में बहुत बेरोजगार लड़के घूम रहे हैं युवा घूम रहे हैं, किसी के ऊपर कुछ ध्यान नहीं है रोजगार के नाम पर बाहरी आते हैं बिहार से बंगाल से कहीं से भी कांट्रेक्टर आते हैं वे लोग अपने लड़के लाते हैं वर्कर लेकर आते हैं साथ में हमारे क्षेत्रीय को कहीं महत्व नहीं मिलता है। मैं खुद एक बार सिक्योरिटी गार्ड के लिए बात किया प्लांट में तो बोलते हैं लोकल को लेंगे ही नहीं यह आपकी जो झूठे वादे हैं। दूसरा है प्लांट के सामने का सड़क नहीं बन पा रहा है आप क्या गांव का विकास कराएंगे किसी गांव का क्या सड़क बनाएंगे प्लांट के सामने गेट के सामने का सड़क नहीं बन पाता आप लोगों से। तीसरा पर्यावरण को नुकसान पौधे आप लगा नहीं सकते, हजारों एकड़ में हमारे पूरे क्षेत्र में हजारों एकड़ में माईनिंग है प्लांट बस बना हुआ है इतना पौधा की कटाई हुआ है कहीं पौधारोपण का कार्य नहीं दिखता है। तीसरा है शिक्षा के लिए आपका कहीं भी कोई योगदान नहीं दिखता। मैं अभी पिछले वर्ष में अभी जो बिरला पब्लिक स्कूल में अपने ही बच्चों के लिए गया हुआ था वहॅा एम्पलाई नहीं होने की वजह से या कांट्रेक्टर नहीं होने की वजह से मेरे बच्चे का एडमिशन नहीं हो पाया बाकी का तो छोड़िये आप। स्वास्थ्य के लिए कोई हॉस्पिटल भी खुला नहीं है किसी भी प्लांट के तरफ से हॉस्पिटल भी है तो प्लांट के अंदर कोई लोकल आदमी नहीं जा सकता है वहॅा पर, कोई हॉस्पिटल की फैसिलिटी नहीं है किसी भी प्लांट की तरफ से और हमको मिलने के नाम पर विकास के नाम पर हमको मिल रहा है धूप धक्कड़ और सड़क हादसे में मौत, सड़क इतना खराब दुर्दशा है भारी वाहनों के चलने की वजह से आए दिन किसी न किसी की मृत्यु हो जा रही है सड़क हादसे में तो मैं यह चाहता हूॅ कि इस माइनिंग प्रोजेक्ट का पूर्ण विरोध करता हूॅ मैं और जहां तक हो सके शासन और प्रशासन से निवेदन करता हूॅ कि इनके जितने विरोध का परसेंट है इस रेशियो को देखते हुए ही इसका आंकलन किया जाए।

19. श्री राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि कंपनी वाले अधिकांशतः बहुत झूठे होते हैं झूठ बोलकर आम जनता भोले भाले जनता को अपने पक्ष में लेकर बोलने के लिए बुलवाकर उन्हें लाइन लगवाते हैं, तो मैं इस जनसुनवाई में जो रखा गया है, पत्थरचुआ में लाईमस्टोन इनका मैं विरोध करता हूॅ, आपसे अपेक्षा है कि हम सबकी आपत्ति को अच्छे तरीके से दर्ज किया जाए।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आप लोगों की आपत्ति, सुझाव, समर्थन सारी चीजें रिकॉर्ड हो रही है।

20. श्री ईशु कुमार, जनपद प्रतिनिधि ने कहा कि क्षेत्र क्रमांक 23 खदान क्षेत्र में स्थित महानदी सावका नहर पर भी विषय विशेषज्ञ समिति द्वारा कोई चर्चा व टिप्पणी का अभाव है। वर्ष 2016 से केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी समस्त पर्यावरणीय स्वीकृति टीओआर में खदान स्थल विषय ईएसी में समीक्षा बैठकों में शर्तें जारी किया हुआ है ठीक है मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

21. श्री कृष्णा अवस्थी, ग्राम निसदा ने कहा कि मेरी शिक्षा एम.कॉम, एल.एल.बी. है, अपनी बात रखने के लिए उपस्थित हुआ हूॅ, मैडम लगातार आपकी उपस्थिति में मेरी तीसरी चौथी जनसुनवाई है जहां आप ऊपर बैठे हैं और नीचे में बैठकर मैं अपनी बात रखा हूॅ और फिर यहॉ अपनी ही बात रखने के लिए पर्यावरण संबंधित जो जनसुनवाई श्री सीमेंट के द्वारा आयोजित पर्यावरण संबंधित जनसुनवाई में मैं अपनी बात रखने के लिए यहॉ पर उपस्थित हुआ हूॅ। अभी मेरे आने के पूर्व अनेक वक्ताओं ने अपनी बात रखी। कई लोग समर्थन में बात किए कई विरोध में बात किए, मैं यही बात करना चाहूॅगा मैडम आपके माध्यम से कि पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए क्षेत्र में विकास हो, संयंत्र अपना विस्तार करें, हम इसके विरोधी नहीं हैं, लेकिन साथ–साथ जो आज जल का जो स्तर है हमारे जो क्षेत्र में लगातार 400–500 फीट में भी पानी नहीं मिल पा रहा है, इसके पीछे कारण है माईंस। अनेक इक्विपमेंट और संसाधन कंपनी के पास में है, बड़ी–बड़ी गाड़ियां हैं, यहॉ तालाब का उत्खनन करके उसमें गहरीकरण करके जल स्तर को मेंटेन किया जाए। मैं यहॉ पर केवल यह आग्रह करने के लिए उपस्थित हुआ हूॅ कि इनका जो दायित्व है उनको बोध कराने के लिए उपस्थित हुए हैं। कंपनी अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए जो जल का स्तर है पर्यावरण दूषित न हो आप फ्लाई ऐश जगह–जगह जो उड़ रहा है, उससे जो जन मानस है उसको अहित न पहुंचे इन सब चीज को ध्यान में रखते हुए प्लांट का विस्तार हो, लगातार बढ़े क्षेत्र में, क्षेत्र का विकास हो, हम विकास के पक्षधर हैं और निश्चित रूप से बड़े वर्ग को संतुलित करके अगर विकास किया जाता है तो हम इसका समर्थन करते हैं।

22. डॉ. सनम जांगडे, पूर्व विधायक, पूर्व जिलाध्यक्ष, बलौदाबाजार ने कहा कि डिप्टी कलेक्टर मैडम और हमारे श्री सीमेंट संयंत्र के सभी अधिकारी, कर्मचारी गण और हमारे इस क्षेत्र से आए हुए सभी हमारे जनप्रतिनिधि और किसान बंधु, नौजवान साथी। यह जो जनसुनवाई हो रहा है पर्यावरण और माईनिंग को लेकर मैं एक सुझाव रखना चाहता हूॅ प्रस्ताव भी रखना चाहता हूॅ कि हमारे बलौदाबाजार जिला को उद्योग के नाम पर राष्ट्रीय नहीं अंतर्राष्ट्रीय लेवल पर बलौदाबाजार जिला को जानेगा यह मेरा एक सुझाव है संयंत्र के जितने यहॉ पर प्रबंधक हैं और अधिकारी बैठे हुए हैं हमें शिक्षा की ओर विशेष ध्यान इस प्रबंध को देना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में हमारी सरकार तो काम कर रही है 3 किलोमीटर में मिडिल स्कूल हाई स्कूल हायर सेकेंडरी से लेकर महाविद्यालय लेकिन संयंत्र को यह चीज ध्यान देना चाहिए कि मैं स्थानीय के लिए बात नहीं कर रहा हूॅ, पूरे हमारे बलौदाबाजार जिले जो हमारे युवा शिक्षित पढ़े लिखे जो सपना संजोए हैं कि हम आईएएस कलेक्टर बनेंगे, आईपीएस पुलिस अधीक्षक बनेंगे, आईपीएस से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर बनने का सपना हमारे क्षेत्र के बच्चे देखे हैं वह योग्य भी हैं यह क्षेत्र के हमारे बच्चे हमारे पढ़ लिखकर लेकिन गरीबी के कारण वह बच्चा उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाता, पीएससी एग्जाम में नहीं बैठ पाता, कोचिंग सेंटर नहीं जा पाता, दिल्ली नहीं जा पाता, भिलाई नहीं जा पाता, रायपुर नहीं जा पाता किस कारण कि आर्थिक स्थिति की कमी होने से हमारे बच्चे योग्य हैं, वह क्वालीफाई कर सकते हैं लेकिन इस बात को आप लोग ध्यान दो हमारे बलौदाबाजार जिला में आप लोग ऐसे एक कोचिंग सेंटर खोलो जिससे हमारे बच्चे पढ़े लिखे यहॉ के वह यूपीएससी एग्जाम फाइट करें, डॉक्टर बने, कलेक्टर बने, अधीक्षक बने पुलिस अधीक्षक इसके लिए आप लोग काम करोगे तो आपको यह जनता आप लोगों को दुआ देंगे और यह छोटे–मोटे प्रबंध नही है इसको आप लोग कर सकते हैं इस बात को विशेष ध्यान आप लोगों को रखना चाहिए। लेकिन इस बात को आप लोग ध्यान नहीं रखते। दूसरा विषय स्वास्थ्य संबंधित मैं बात करना चाहता हूॅ, स्वास्थ्य संबंधित इस बात को मैं लेकर यहॉ पर खड़ा हूॅ कि हमारे इस क्षेत्र में दसों और 12 आज प्लांट है उद्योग है लेकिन संयंत्र की ओर से कोई ऐसा फैसिलिटी नहीं है शासन तो कर रहे हैं हमारे बलौदाबाजार में जिला चिकित्सालय है, हमारी सरकार सब कर रही है, लेकिन आपकी ओर से आपके उद्योग की ओर से बलौदाबाजार या कहीं पर भी एक ऐसा स्वास्थ्य जहां लोगों को उनके इलाज के लिए अच्छी सुविधा मिले जिसका आशीर्वाद आप लोगों को मिलेगा। इस चीज को विशेष ध्यान रखना चाहिए आप लोगों को। दूसरा विषय सीएसआर मद उस विषय में भी नहीं जा रहा हूॅ कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है सीएसआर पैसा मुद्दा यह है कि हमारी सरकार तो रोड, बिजली, पानी सब कर रहे हैं लेकिन आप लोगों को यह दो चीज बहुत अनिवार्य है शिक्षा और स्वास्थ्य। उद्योग लगे उद्योग का हम समर्थन करते हैं हमारी सरकार समर्थन कर रही

है छत्तीसगढ़ में और उद्योग आए और माईनिंग का हो पर्यावरण का जनसुनवाई हो सब कुछ हो लेकिन आप लोगों को इस बात की चिंता बहुत जरूरी करना है। दूसरा विषय मैं यह बात रख रहा हूॅ कि हमारे यहॉ बच्चे कई ऐसे बेरोजगार हैं स्किल्ड अनस्किल्ड बच्चे घूम रहे हैं बाहर जा रहे हैं यहॉ के लड़के हमारे कोई बिहार जा रहे हैं कोलकाता जा रहे हैं बॉम्बे जा रहे हैं उस ओर आप लोगों को ध्यान देना चाहिए हमारे जैसे लोग अगर फोन करते हैं एक ड्राइवर को लगा दो करके तो सकारात्मक जवाब नहीं आएगा एक ड्राइवर के लिए उदाहरण के लिए तो यह बात को भी आप लोगों को ध्यान में रखना चाहिए क्योंकि यह हमारी धरती है हमारी जमीन है छत्तीसगढ़ की जमीन है हमारे बलौदाबाजार की जमीन है लेकिन हमारे बच्चे जो पढ़ लिखकर योग्य है ऐसे बच्चों को काम देना चाहिए आप लोगों को यह मेरा आग्रह है निवेदन है मैं वहॉ बात कर रहा हूॅ आपसे बात नहीं कर रहा हूॅ तो मैं सुझाव दे रहा हूॅ यह चीज होना चाहिए करके और बाकी बहुत सारे ऐसे विषय हैं जिसको मैं रखना चाहता था मेरे भाई लोग नहीं रखने के लिए बोल रहे हैं ऐसा लगता है तो मैं एक नहीं 10 प्लांट श्री सीमेंट 5 प्लांट करे उसका मैं समर्थन करता हूॅ लेकिन वह जैसा हो काम होना चाहिए बहुत–बहुत धन्यवाद। हम लोग बाहरी आदमी नहीं है हम लोग छत्तीसगढ़ के हैं, हम जवाब देना चाहते हैं जनता को हम बलौदाबाजार के हैं, रायपुर के रहने वाले हैं, पत्थरचुआ के रहने वाले हैं आप भी बोल सकते हो हम यहॉ बात कर रहे हैं।

23. श्री संदीप कुमार वर्मा, ग्राम मोहरा ने कहा मैं जितना भी आसपास के क्षेत्रीय नेता और जितने भी भाई और भैया है, आप लोगों के जनसुनवाई में समर्थन कर रहे हैं उन लोगों से बस एक ही सवाल पूछूंगा क्या वह लोग आकर रहेंगे क्या मोहरा, पत्थरचुआ में हम लोग रहते हैं, जहां अभी 300 फीट 400 फीट में अभी पानी नहीं मिल रहा है। मोहरा देखे हो क्या आप लोग ?

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आप अपनी बात रखो। आप अपना प्रश्न रखो मैं आपको बात रखने बोल रही हूॅ।

श्री संदीप कुमार वर्मा ने कहा कि मैडम मैं आपनी बात रख रहा हूॅ इतना देर से और जो समर्थन कर रहे हैं उनसे सवाल भी कर रहा हूॅ, मोहरा और पथरचूआ में कौन रहेगा ? मोहरा, पत्थरचुआ में रहेगा कौन ? हम लोग रहेंगे, हम लोग को समस्या है, आप लोग रहोगे क्या ? आप लोग तो बोल कर चले जाओगे, हम लोग यह सुविधा देंगे वह सुविधा देंगे और फिर हम जाते हैं, हिरमी प्लांट में ज्यादा गेट में 5 दिन 6 दिन खड़े रहते हैं कितने साल में नहीं बना है रोड ? 10 साल हो गया है,

कौन मर रहा है, हम लोग मर रहे हैं, आसपास के लोग मर रहे हैं, आप लोग नहीं मर रहे हो। मैं पूर्णतः रूप से इस जनसुनवाई का विरोध करता हूँ और समस्त ग्राम वासियों से निवेदन करता हूँ कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर इस जनसुनवाई का विरोध करें यह लोग अपने से बुला लिये हैं समर्थन करने वाले ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर विरोध करें।

24. श्री उदय कुमार वर्मा, ग्राम मोहरा ने कहा कि मैं इस श्री सीमेंट का जो लाइमस्टोन खदान इसका पूर्ण रूप से विरोध करता हूँ।

25. श्री विवेक नायक ने कहा कि मैं इसी श्री सीमेंट के प्रभावित ग्राम से आता हूँ और प्रभावित गांवों में रहता हूँ जो यह श्री सीमेंट इतना लंबा लंबा जो सपना दिखाएं हैं ग्रामीण लोगों को वह कभी भी पूरा नहीं करेंगे। आज ब्लास्टिंग मेरे गांव में हो रही है आज ब्लास्टिंग से हम लोग इतना परेशान है, आज वहॉ पर केमिकल जो छोड़े हैं पांच गांव जितने भी प्रभावित ग्राम है, आज पांचो के पांचो गांव में जितने भी लड़के जो पढ़ने वाले हैं, वह आज हॉस्पिटल में भर्ती थे, भाटापारा और बलौदाबाजार में भर्ती थे उसको अंत में रायपुर रेफर करना पड़ा इतना बड़े–बड़े केमिकल वहॉ पर युज करते हैं। उसके बाद हम लोग अपनी हक की लड़ाई लड़ने के लिए अगर रोजगार मांगने के लिए अगर किसी संबंध में जाते हैं तो हमको बोला जाता है कि वहॉ पर अधिकारी नहीं है और वही अधिकारी अंदर में चाय पीते हुए मिलते हैं जब हम आधे घंटे वहॉ पर खड़े रहते हैं तो हमको घुमाया जाता है। आज मैं बता देना चाहता हूँ कि यहॉ पर भरपूर उनका समर्थन करने वाले लोग तो आए जरूर है लेकिन इसका विरोध होना चाहिए क्योंकि यह सीएसआर का जो सपना दिखाते हैं देखिए सीएसआर के तहत भी दो नंबर का काम होता है कभी भी श्री सीमेंट ग्रामीणों के पक्ष में काम नहीं करती है मैं इसका पूर्णतः बहिष्कार करता हूँ और इसका विरोध करता हूँ।

26. श्री विलास राम बंजारे, ग्राम पथरचुआ ने कहा कि मुझे ऐसे बोलते नहीं आता अभी यहॉ कम से कम 200 आदमी होंगे 200 से ऊपर है, एक भी आदमी कह दे कि हम सीमेंट को खाकर जीते हैं, कोई भी कह दे हम सीमेंट को खाकर जीते हैं, अन्न नहीं खाते हैं, करके हमारे गांव वाले मोहला के मैं विनती करता हूँ उसे मनाऊंगा कोई भी कहे कि अन्न नहीं सीमेंट को खाकर जिएंगे और इसका मैं पूर्ण विरोध करता हूँ भरपूर बहुत–बहुत विरोध करता हूँ कि हमारे गांव पथरचुआ में संयंत्र नहीं खुलेंगे, इसका विरोध करते हैं हम लोग और हमारे गांव में नहीं खुलना चाहिए।

27. श्री अजय चकोले, अध्यक्ष, मजदूर सेवा समिति रायपुर ने कहा कि पर्यावरण की सुनवाई में जो सबसे बड़ी समस्या है वह यहॉ के रोड की व्यवस्था है जो किसी भी सीमेंट प्लांट ने कभी ठीक नहीं किया है। इस रोड की समस्या की वजह से इतना

घुल उड़ता है कि गांव के लोग पूरा धूल खाते हैं इससे समस्या होती है। साथ ही साथ इसका मैंने ईआईए रिपोर्ट देखा ईआईए रिपोर्ट में इन्होंने 10 किलोमीटर रेडियस का आंकलन किया है लेकिन पास ही में मोहरेंगा का जंगल है इस जंगल में जंगली जानवर पशु पक्षी रहते हैं। इसका इस ईआईए रिपोर्ट मे आंकलन नहीं किया गया है जो कि होना चाहिए था। यह तो ऐसा लग रहा है ईआईए रिपोर्ट की कटिंग पेस्टिंग करके बनाया हुआ ईआईए रिपोर्ट है कि चलो अभी अंबुजा सीमेंट का किया था उसी को कट पेस्ट करके यहॉ पर चिपका दो। इस तरीके का यह ईआईए रिपोर्ट पहले भी मैंने बोला था यह कंसलटेंट को कि इस तरीके की गलत रिपोर्ट बनाते हैं तो ईआईए रिपोर्ट में पानी का जो निष्कासन होता है हर प्लांट का उस पानी में कितने केमिकल होते हैं। पिछली बार भी कहा था मैंने अंबुजा सीमेंट में फिर बोलता हूँ कि उस उत्सर्जित पानी को कभी भी चेक करके उत्सर्जन नही किया जाता जो नालों में बहता हुआ गांव में जाता है और बरसात में पूरा गांव नदियों तक पहुंचता है तो उसमें भी डाटा लगा कर चेक करवा कर क्लियर कर के पानी को भेजना चाहिए वह कोई भी प्लांट नहीं कर रहा है साथ ही साथ जल की समस्या भी बढ़ती जा रही है गांवों में क्योंकि जल स्तर काफी नीचे हो रहा है बड़े–बड़े गढ्ढे होते हैं पानी वहॉ चला जाता है साथ ही साथ एक सुझाव देना चाहूँगा पर्यावरण विभाग को भी कि ऐसा जनसुनवाई करने का कोई मतलब नहीं है जिसमें गांव के लोग बोल ही न पाए इससे अच्छा तो कंपनियों को 300–300 रुपए में मजदूर बुलाकर यहॉ बैठा देना चाहिए सब लोग समर्थन में बोल देंगे जिसमें समर्थ आपका हो जाएगा काम इनका काम पूरा इतना खर्च करने का जरूरत ही नहीं है 300–300 रुपए के मजदूर बुलवा लिए यहॉ बैठवा दीजिए आगे 9:00 बजे सबेरे से यह सब समर्थन में बोल देंगे तो ऐसे ईआईए रिपोर्ट का मतलब क्या है जिसमें गांव वाले भाग न लें ऐसे समर्थन का कोई मतलब ही नहीं है अभी आपको मैं दिखाता हूँ कि पिछली बार भी अंबुजा में मैंने कहा था कि जहां पर लोग खाना खिला के लोगों को प्रभावित करके जनसुनवाई होती है ऐसी जनसुनवाई नहीं होनी चाहिए अभी आप जाकर देखिए पीछे खाने की व्यवस्था चल रही है यह पंडाल इतना बड़ा इतना बड़ा पंडाल का कभी एमओईएफ परमिशन नहीं देता है जो इतना बड़ा पंडाल लगा हुआ है, यह जाली लगी हुई है, कभी नहीं देता है, जब देता ही नहीं है तो लगा कैसे ? परियोजना के संबंध में ही बात कर रहा हूँ और किस बारे में बात कर रहा हूँ, मैं अपने घर की बात नहीं कर रहा हूँ, यह जो पंडाल है यह जो है यह पर्यावरण विभाग एमओईएफ कभी नहीं देता, यह कंपनियों के द्वारा लगाया गया यह प्रायोजित कार्यक्रम है ऐसे प्रायोजित कार्यक्रम बंद करने चाहिए जनसुनवाई आपके हमारे बीच में गांवों के बीच में सीधा संवाद होना चाहिए तब होती है जनसुनवाई ऐसी जनसुनवाईयों का कोई मतलब नहीं है जो समय की बर्बादी हो रही है इसके अलावा

कई सारी चीजें हैं जो मैं लिखित में आपके कार्यालय में भिजवा दूंगा फोटोग्राफ के साथ में इसी को लेकर मैं शांत हो जाता हूॅं।

28. श्री पवन कुमार सारथी, सरपंच, ग्राम पंचायत मुसवाडीह ने कहा कि मैं एक बात बोलना चाहता हूॅं मैडम जी कि यह वादे आप लोग करते हो यह वास्तविक में यहॉ पूरा होता है कि नहीं होता है। मैं आज तक देखा हूॅं मैं भी पढ़ा लिखा आदमी हूॅं लेकिन आज तक जो वादा करते हो नौकरी दिलाने की बात करते हो आप लोग यहॉ पर पेड़ पौधा लगाने की बात करते हो तो कहॉ पेड़ पौधा लगाओगे आप पूरा तो उखाड़कर फेंक रहे हो आप लोग खदान बनाओगे सब उखाड़ कर फेंक रहे हो यह सब चीज झूठे वादे करके जनता को गुमराह मत करो आपसे रिक्वेस्ट है आप अगर अच्छे वादे करते तो जनसुनवाई की जरूरत नहीं पड़ती जनसंख्या को यहॉ पर आने की जरूरत नहीं पड़ती। मैं आपसे प्रार्थना करता हूॅं कि आप जो वादा कर रहे हो वह झूठा मत करो झूठा इरादा जनता को मत दो आपको जो करना है पहले आप करो न पहले नौकरी दिलाओ पहले आप उसको बेरोजगार को रोजगार दिलाओ यहॉ पेड़ पौधा लगाओ उसके बाद कंपनी खोलो हमारे यहॉ मुसवाडीह में अभी है नहीं है 1 महीने से लोग पानी के लिए तरस रहे हैं आप यहॉ गढ्ढा खोदने चले आए हो यह अच्छी बात नहीं है झूठे वादे करके जनता को भड़काओ मत मैं इसका पूर्ण विरोध करता हूॅं।

29. श्रीमती पूर्णिमा धुरंधर, पंच, ग्राम पंचायत मोहरा ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित श्री सीमेंट लिमिटेड मोहरा में चूना पत्थर खदान खोले जाने पर विरोध करती हूॅं इससे हमें बहुत नुकसान है आज भी हमारे गांव मोहरा में जब यह पत्थर खदान नहीं खुला है तब इतनी परेशानी है पानी के लिए कि हम टैंकर से आपूर्ति कर रहे हैं हमारे गांव में पानी के लिए और जब खुल जाएगा तो पानी का और इतना कमी होगा तब हम कैसे करेंगे तब उन दिनों में प्लांट वाले कुछ भी नहीं बोलेंगे आएंगे नहीं बहुत सारे समस्या है जहॉ तक शिक्षा के क्षेत्र में है प्लांट का जहां गांव का कोई भी आदमी जहॉ हम अपने बच्चों को एडमिशन के लिए जाते हैं तो बोलते हैं कि यहॉ कोई काम करते हैं क्या आपके परिजन जो हम इसे एडमिशन देंगे कोई भी प्रकार के कुछ भी ग्रामीणों कोई फायदा नहीं है खुलने से इस वजह से मैं इसका विरोध करती हूॅं। किसानों की खेती मेन है किसानों की खेती इससे बहुत नुकसान होता है पानी की समस्या तो हो ही रही है इस चूना खदान की वजह से इतना प्रदूषण होता है वह मिट्टी में जमकर इतना नुकसान करता है। इससे खेती में बहुत समस्या आती है इस वजह से मैं इसका विरोध करती हूॅं, विरोध के रूप में प्रस्तुत करना चाहती हूॅं।

30. श्रीमती पुष्पा सुनंदा चेलक, जनपद सदस्य मोहरा ने कहा कि मैं विरोध करती हूॅ यहॉ खदान न खुले।

31. श्री देव प्रसाद मारकण्डेय, पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत रेंगाडीह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित श्री सीमेंट यूनिट लिमिटेड द्वारा जनसुनवाई जो जनता के हित में काम करेंगे कहकर कई प्रकार के नाना प्रकार का लालच दिखाएंगे वह भैया बोले जो छोटे–छोटे छत्तीसगढ़ियों को लूटने का काम कर रहे हैं पूरा विदेश के लोग आकर छत्तीसगढ़ में हर चीज संपदा को लूटने का प्रयास कर रहे हैं तो क्या है हमारा एल एण्ड टी फैक्ट्री है अभी यह श्री सीमेंट है कई भैया लोग मजदूर लोग हमारे साथी गण अपने खेत को दिए हैं उसके बाद भी काम से वंचित है, उन्हें रोजगार नहीं मिला, उनके बच्चे को पढ़ने की व्यवस्था नहीं करते, तो मैं मैडम से यही चाहता हूॅ अगर खोलेंगे इस क्षेत्र में पत्थरचुआ, मोहरा, भालुकोना, सेमराडीह यह हर गांव में ब्लास्ट होगा तो उनके घर का अगर छत गिरेगा, तो उसका मुआवजा उसके छत को बना कर देना पड़ेगा आपको और उनके बच्चों के जीवनयापन के लिए पूरा जीवन भर पढ़ाई लिखाई के लिए तो देंगे ही उच्च शिक्षा की व्यवस्था करेंगे इस दर पर खोलिए यदि नहीं खोलना चाहते हैं तो हमारा पूरा क्षेत्र इसके लिए विरोध करते हैं अगर खोलेंगे तो कोई प्रकार का षड़यंत्र करके खोलेंगे नेतागिरी या चमचा करके खोलेंगे तो उसका विरोध होगा और उग्र आंदोलन होगा मैं इसका विरोध करता हूॅ।

32. श्री कमल बांधे, प्रदेश अध्यक्ष इंटक छत्तीसगढ़, प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ पत्रकार संरक्षण संगठन छत्तीसगढ़ ने कहा कि आज के छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई के अवसर पर पहुंचे आदरणीय अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी महोदय जी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी सम्माननीय रबड़े साहब जी, आदरणीय तहसीलदार साहब, आज छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित श्री सीमेंट मोहरा ब्लॉक ए चूना पत्थर के पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई का मैं हार्दिक स्वागत करता हूॅ, समर्थन करता हूॅ। स्वागत और समर्थन इसलिए कर रहा हूॅ कि उक्त माईंस के खुलने से हमारे पत्थरचुआ, भालूकोना मोहरा सहित बोईरडीह सहित आसपास गांव का सर्वांगीण विकास होगा। साथ ही हमारे इस क्षेत्र के हमारे युवा शिक्षित बेरोजगार साथियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार उन्हें काम और रोजगार की व्यवस्था हो पाएगी। साथ ही गौण खनिज रॉयल्टी मद से प्राप्त होने वाली राशि से हमारे मुसुआडीह, भालूकोना, सेमराडीह सहित आसपास के प्रभावित गांवों का सर्वांगीण विकास होगा। साथ ही सरकार को मिलने वाली राजस्व डीएमएफ से हमारे प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। साथ ही मैं आज के पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई का मेरे साथ आए हुए इंटक के 32 युवा

साथियों के साथ समर्थन और स्वागत करता हूॅं। साथ ही मजदूर हित, जनहित, सार्वजनिक हित की मेरी कुछ मांग भी है। मेसर्स श्री सीमेंट में 70% स्थानीय लोगों को काम में रखना चाहिए। साथ ही खनिज अधिनियम, पर्यावरण अधिनियम, श्रम अधिनियम, कारखाना एक्ट आप लोग बोल रहे हो कि आप लोगों का समर्थन है।

33. श्री संतोष यदु, पूर्व सांसद/विधायक प्रत्याशी एवं प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय मंशी महासभा ने कहा कि आज श्री सीमेंट की खदान पर्यावरणीय जनसुनवाई में उपस्थित यहॉ के पीठासीन माननीय मैडम और क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी माननीय रबड़े जी और कंपनी प्रबंधन और सरकारी विभाग के जो अधिकारी हैं, समस्त सम्माननीय जनता, आप सभी को सादर प्रणाम करता हूॅं। आप सबको बताना चाहता हूॅ कि जो संयंत्र है जितना भी फैक्ट्री लगता है तो उसका जनसुनवाई होता है जिसमें आप सभी को बात रखने का मौका दिया जाता है जिसमें आपको समस्या और पर्यावरण के बारे में बात रखने का मौका मिलता है। मैं आपको कहना चाहता हूॅ मैं क्षेत्र में लगातार कई साल से एक क्रांतिकारी नेता के रूप में काम कर रहा हूॅ, सबसे ज्यादा बलौदाबाजार में आंदोलन करने का रिकॉर्ड संतोष यदु के नाम दर्ज है, सबसे ज्यादा एफ.आई.आर. संतोष यदु के नाम दर्ज है, जितने भी कंपनी है कोई ऐसा कंपनी नहीं है जिसमें मेरे नाम से एफआईआर नहीं हुआ होगा, इस श्री सीमेंट में भी अभी भी मेरे नाम से एफआईआर है मैं पेशी जाता हूॅ, तो मैं आप समस्त जनता को आश्वस्त करता हूॅ मैं आपकी ही बात रखने आया हूॅ शांतिपूर्ण तरीके से आप मेरी बात को समझें और सुनें और साथ ही साथ जो विभाग के अधिकारी आए हैं उन्हें मैं चेताना चाहता हूॅ कि यह बंदर विनाश करना बंद करें अगर कोई भी विकास है अगर हमारे कोई भी विकास का नींव विनाश से रखा जाएगा तो यह विनाश हमें नहीं चाहिए लेकिन आज आपको बोलना चाहता हूॅ कि जितने भी कंपनियां हैं केवल श्री सीमेंट ही नहीं इस कंपनी में क्षेत्रीय जो जनप्रतिनिधि हैं जितने भी क्रांतिकारी नेता हैं इनकी बात सुन लिया जाए हम लोग बात बोलते हैं तो हमारी बात नहीं माना जाता है हमारे पास रोज 10 आदमी रोजगार मांगने के लिए आते हैं रोज मेरे कार्यालय में 10 बच्चे आते हैं बताते हैं मैंने आईटीआई किया है मैं अप्रेंटिस करना चाहता हूॅ मैंने इंजीनियरिंग किया है मैंने डॉक्टरी पढ़ा है तो मैं यही बात कहना चाहता हूॅ कि यदि उद्योग लग रहा है मैं उद्योग के खिलाफ नहीं हूॅ आप सभी को बताना चाहता हूॅ क्योंकि उद्योग के आने से विकास होता है, यह सरकार भी बोलती है, यह सही बात है, लेकिन उद्योग आने से क्या क्षेत्र में विकास हो रहा है क्या जिस क्षेत्र में उद्योग आया है वहॉ का विकास हो रहा है क्या मैं यह पूछना चाहता हूॅ सर मैडम बैठे हैं पीठासीन अधिकारी मैडम बैठे हैं सभी विरोध दर्ज कर रहे हैं समर्थन में दर्ज कर रहे हैं उसके बाद क्या रिजल्ट आएगा यह तो वही लोग बताएंगे लेकिन मैं आपको एक चीज कहना चाहता हूॅ कि आज इस प्रकार की जो जनसुनवाई के बाद में किसी प्रकार का रिजल्ट नहीं आता

है। क्षेत्र में लोगों का काम नहीं होता है। आज इसलिए मैं कहना चाहता हूॅ कि आज क्षेत्र की समस्या इतनी ज्यादा हो गई है कि आज लोग बेरोजगारी के चक्कर लगाकर बड़े–बड़े पढ़े लिखे बच्चे आज घूम रहे हैं तो इसलिए मैं कहना चाहता हूॅ कि सबसे पहले जो न्याय की व्यवस्था है क्षेत्र की जो जनता जैसे यहाॅ खदान लग रहा है तो आसपास जितने 10–15–20 गांव हैं इन्हें सबसे पहले प्राथमिकता देना चाहिए इस क्षेत्र के व्यक्ति यहाॅ पानी की समस्या से जूझेंगे, यहाॅ के लोग प्रदूषण की समस्या से जूझेंगे, तो सबसे पहली प्राथमिकता यहाॅ जो 10 से 15 गांव है जिसमें मोहरा है, भालुकोना है, पथरचुआ है, परसाडीह है, तिल्दा बांधा ,है आसपास जितने भी गांव मुसवाडीह है, यह सभी गांव है, हमारे क्षेत्र का गांव है, क्षेत्र के तरफ से हम लगातार जुड़े हुए हैं, मैं कोई बहुत ज्यादा दूर का रहने वाला नहीं हूॅ रावन गांव का निवासी हूॅ, क्षेत्र में लगातार लोगों की सेवा कर रहा हूॅ, तो सबसे पहले प्राथमिकता यहाॅ के जो पढ़े–लिखे व्यक्ति हैं, जैसे दसवीं पढ़े लिखे हैं, उनका ऑफिस में नौकरी लगना चाहिए, जो आईटीआई किए हुए हैं तो टेक्निकल है वेल्डिंग है इन सभी चीज में उसे रोजगार का मौका देना चाहिए। साथ ही साथ आज के डेट में एक चीज कहना चाहता हूॅ और जो इंजीनियर है उसे इंजीनियर का रोजगार देना चाहिए जैसे डॉक्टर है उसे वहाॅ का जो हॉस्पिटल है उसमें रोजगार देना चाहिए लेकिन मैं पूछना चाहता हूॅ श्री सीमेंट के द्वारा जो कंपनी लगाया गया है उसमें यह सुविधा लागू किए हैं क्या मैं सब रखना चाहता हूॅ क्योंकि यह सुविधा लागू किए हैं तो उस शर्त के साथ मैं समर्थन देना चाहता हूॅ यदि अगर यह सारी योजना जो बताया जा रहा है अगर इस योजना को पूरा करेंगे तो मैं आपको कहना चाहता हूॅ और नहीं तो बंदर विनाश को बंद करो और मैं एक चीज और कहना चाहता हूॅ आज जितने चिल्ला रहे हैं जितने लोग चिल्ला रहे हैं मैं आपको एक चीज कहना चाहता हूॅ संतोष यदु अगर अपने गला को भी काट देगा तो तब भी इस खदान का काम नहीं रुकेगा और यह खदान खुलेगा मुझे पता है और यह सारा चीज अधिकारीगण भी जान रहे हैं, कंपनी वाले जान रहे हैं, सरकारी अधिकारी बैठे हैं ये लोग भी जान रहे हैं, जितने जनप्रतिनिधि हैं, वे लोग भी जान रहे हैं, लेकिन भोगना किसको है जनता को है इसलिए मैं अपनी बात रख रहा हूॅ और जितना अपनी शर्त रखा हूॅ इस शर्त के साथ अगर इस शर्त को पूरा करेंगे तो मैं इस जनसुनवाई का मैं जो है समर्थन करता हूॅ और यदि कहीं इसे नहीं करेंगे पूरा तो मैं बता रहा हूॅ डंडा झंडा लेकर के पहला आदमी होगा जो कंपनी के गेट में बैठने वाला संतोष यदु होगा।

34. भूतपूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत मोहरा ने कहा कि आज तक मैं मोहरा गांव में कई बार कंपनी गया हूॅ, मैं मास्टर के बारे में बोला हूॅ, आज तक के गांव के कई मंत्रियों को दिया हूॅ, कलेक्टर को दिया हूॅ और कई आदमियों को दिया हूॅ आज तक मेरे गांव में कोई सुने ही नहीं, आज तक अभी भी ग्राम पंचायत में पूरा बाउंड्री लग रहा है, गांव

के पूरा घेरा करवाऊंगा कहकर पूरा गढ्ढा करवा दिया है, गहरा और आज तक नहीं किया। हिरमी कंपनी वाले आज गढ्ढे में कई आदमी अभी वहॉ पर दया राम यदु का घर है कई गाड़ी गढ्ढा में मैं मुरूम में डलवाया हूॅ आज तक सुने ही नहीं कई प्रकार के काम मोहरा में मैंने मांगा आज तक के कंपनी कोई कंपनी नहीं देते हैं। आज तक इंकार करते हैं हमारे गांव में कोई चीज कोई सहयोग नहीं है हमारे गांव में प्लांट खुलना नहीं चाहिए यहॉ हमारा विरोध है हम आपत्ति करते हैं।

35. श्रीमती दुर्गा वर्मा, ग्राम रावन ने कहा कि चूना पत्थर कंपनी नहीं खुलना चाहिए इसके लिए मैं विरोध करती हूॅ।

36. श्रीमती राजेश्वरी वर्मा, पंच, ग्राम पंचायत रावन ने कहा कि मैं रावन में अभी देख रही हूॅ 12वीं तक के स्कूल हैं, 04 टीचर है, अभी कार्यसमिति की बैठक में मैं आई हूॅ, तो मैंने कहा आज तक कुछ भी काम नहीं किया, न टीचर दिए, न कोई काम किया और रही सवाल अभी हम लोग टैंकर से पानी भर रहे हैं, पानी भरेंगे करके हम लोग टेंकर को जल्दी मंगाये हैं और यहॉ सुनवाई में आए हैं जनसुनवाई में तो मैं इसके लिए विरोध करती हूॅ।

37. श्री देव कुमार रात्रे, ग्राम सकलोर ने कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल को मैं प्रणाम करता हूॅ, साथ ही अधिकारी को प्रणाम करता हूॅ और मैं यह बोलना चाहता हूॅ कि 20 साल प्लांट को यहॉ आए हो गए और मोहरा है, संडी है और सकलोर मार्ग, सुहेला मार्ग और हमारा रावन मार्ग, इतना रोड खराब है कि बहुत ज्यादा प्लांट के लगने तक इतना झूठ बोलते हैं कंपनी वाले, जैसे ही प्लांट डलता है और उसके बाद कोई भी किसान को बेरोजगारी कुछ नहीं मिलता है, ठीक है और मैं सरासर इसका विरोध करता हूॅ। यह नहीं खुलना चाहिए कंपनी और अभी तत्काल में मतलब गांव–गांव में पानी की समस्या बहुत हो रही है, लेवल डाउन हो रहा है, पर्यावरण का भी कोई यहां नहीं है और मैं विरोध करता हूॅ।

38. श्री मुकेश वर्मा, ग्राम मोहरा ने कहा कि मैं इसका पूर्ण विरोध करता हूॅ यह कंपनी नहीं खुलना चाहिए इसका मैं विरोध करता हूॅ।

39. श्री तुकाराम यादव, ग्राम मोहरा ने कहा कि सबसे पहली बात मैं किसान का बेटा हूॅ और मुझे किसानी करने के लिए पानी चाहिए मुझे जिंदगी जीने के लिए पानी चाहिए मुझे, किसानी चाहिए, जिंदगी जीने के लिए न माइंस चाहिए, सबसे पहले इसका सेंट परसेंट विरोध है।

40. श्री सुनील कुमार वर्मा, ग्राम मोहरा ने कहा कि मैं आईटीआई धारक हूँ लेकिन कई बार प्लांट में गया काम के लिए, लेकिन जरूरत नहीं है कहकर निकाल दिया जाता है, न अल्ट्राटेक में दिया जाता है, न श्री सीमेंट में दिया जाता है, आईटीआई धारक होने के बावजूद भी बेरोजगार की तरह घूमना पड़ रहा है, तो मैं इस लाइमस्टोन खदान का पुरजोर विरोध करता हूँ मैं विरोध करता हूँ मेरे साथ–साथ कौन–कौन विरोध करता है।

41. श्री राम खिलावन ध्रुव, सरपंच, ग्राम पंचायत फुण्डरडीह ने कहा कि मैं जानना चाहता हूँ कि और इसका मैं यह विचार रखा हूँ बिना अनुमति से यह हो रहा है जनसुनवाई और मैं यह विचार भी रखा हूँ कि यहाँ माइंस बन रहा है उसको मैं निरस्त करने का विचार रखता हूँ आपसे।

42. जनसुनवाई में उपस्थित एक व्यक्ति ने का कि हमारे ग्राम पंचायत फुण्डरडीह में पधारे जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी सभी को हमारा ग्राम पंचायत फुण्डरडीह का और किसान की तरफ से नमस्कार। आज जनसुनवाई कार्यक्रम फुंडहरडीह पंचायत में रखा गया है, हमारे जनप्रतिनिधि गण और अधिकारी कर्मचारियों को एक बात का रिक्वेस्ट करना चाहता हूँ कि जो हमारे नवनियुक्त पंच और सरपंच उसे एक शब्द पूछने का अधिकार है कि नहीं। अपनी बात रख रहा हूँ मैं गलत थोड़ी बोल रहा हूँ मैडम, मैं ग्राम सभा का अध्यक्ष हूँ इसका जवाबदारी कौन रहेगा हमारी बात को कम से कम सुन लीजिए मैडम यह जनसुनवाई है अगर हमारे समक्ष में यह जनसुनवाई है तो आम जनता की किसान की बात को सुनना चाहिए सुनना पड़ेगा इसीलिए जनसुनवाई है, आप लोग आधिकारी कर्मचारी प्रतिनिधि या मतलब जो कंपनी की ठेकेदार हैं वे लोग बोलेंगे तो कौन सुनेगा वह तो मतलब जनसुनवाई नहीं हुआ, इसलिए हमारी बात को ध्यान से सुनिए और प्राथमिकता दीजिए। हम नियम के तहत संविधान के तहत हम विरोध करते हैं, हम विरोध करेंगे और विरोध करके रहेंगे, क्योंकि जो खेत हमारा जा रहा है माइंस में कंपनी में वह खेत हमारी माता है पिता है हमारे पूरे परिवार का पालनहार है आज वह खेत उन्हें दे रहे हैं तो हमारे परिवार का पालन पोषण कौन करेगा, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा हम पूरा सर्वसम्मति से हमारे ग्राम पंचायत फुण्डरडीह के पंच, सरपंच ग्राम सभा अध्यक्ष ग्राम पंचायत सभी पुरजोर रूप से इसका विरोध करते हैं और यह कंपनी नहीं खुलना चाहिए कभी नहीं खुलना चाहिए अगर खुलेगा तो इसका तत्काल हम लोग विरोध करेंगे।

43. श्री भूषण लाल कुर्रे, ग्राम पत्थरचुआ, आश्रित ग्राम फुण्डरडीह ने कहा कि आदरणीय पूर्व में दिए गए पंचायत एनओसी को निरस्त करने बाबत महोदय जी विषयांतर्गत लेख है कि हमारे ग्राम पत्थरचुआ ग्राम पंचायत फुण्डरडीह में माइंस चूना पत्थर खनन हेतु

दिए गए पूर्व सरपंच एवं पंचों द्वारा एनओसी को हम वर्तमान सरपंच एवं पंच तथा समस्त ग्राम पंचायत वासी विरोध करते हुए पूर्व में दिए गए एनओसी को अवैध तरीके से दिया गया है क्योंकि हम किसी ग्रामीणों को पत्थरचुआ, बोईरडीह, फुण्डरडीह को इसकी कोई जानकारी नहीं हुआ। ग्राम पंचायत एवं ग्रामों में ग्राम सभा नहीं लगाया गया है, बिना ग्राम सभा किये पूर्व सरपंच एवं पंचों के द्वारा गुप्त रूप से एनओसी दिया गया है, जिसका हम सभी पंचायत वासी एवं सरपंच समस्त पंच गण इसका विरोध करते हैं। अतः आपसे निवेदन है कि हमारे इस आवेदन को स्वीकार करते हुए पूर्व में दिए गए एनओसी को निरस्त करने की कृपा करेंगे आप।

44. श्री जितेंद्र वर्मा ग्राम बरडीह ने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूँ कि मैं इस लाइमस्टोन का विरोध करना चाहता हूँ, कारण यह है कि हमें पहले से किसी को भी पता नहीं था इसके बारे में आज ही हमको पता चला है कि यहॉ पर लाइमस्टोन के लिए आज यहॉ जनसुनवाई रखा गया है करके। मैं इसका विरोध इसलिए करना चाहता हूँ कि वाटर लेवल की कमी हो रहा है, पेड़ पौधों की वजह से जलवायु का प्रदूषण हो रहा है, रोजगार हमको मिलता नहीं है और रोड की समस्या बढ़ती जा रही है, बड़ी–बड़ी जब ट्रकें के हाईवा चलेगी, तो रोड तो पहले से बर्बाद है और रोड बर्बाद हो जाएगा और रोड से इतनी धूल उड़ेंगे कि उससे हमें प्रदूषण के सिवाय और कुछ नहीं मिलने वाला और हम गांव वालों को कोई सुविधा नहीं मिलने वाला न तो सड़क, न बिजली, न पानी, न इंग्लिश मीडियम स्कूल, न अच्छा से हिंदी मीडियम स्कूल, न स्वास्थ्य विभाग वाली कोई चीज हमको सुविधा नहीं मिलने वाला, न रोजगार मिलने वाला है, इसलिए मैं पुरजोर इनका विरोध करता हूँ। मेरा जमीन यहॉ निकला था और 2 लाख रुपए एकड़ में लिया था आज के डेट में दूसरों को दे रहे हैं 22 लाख रुपया मैं सुना हूँ। इसलिए बता रहा हूँ 22 लाख क्या उसका मुझे अंतर राशि दिया जाएगा, उसमें मुझे नौकरी दिया जाएगा क्या, मैं पूछना चाहता हूँ अधिकारी कर्मचारियों से, भई हमको न रोजगार है न तो हमारी समस्या दूर हो रही है तो हम इसके लाइमस्टोन बढ़ाने के लिए क्यों हम जमीन दें मैं सबसे पूछना चाहता हूँ मैं।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि मैं पुलिस विभाग से आग्रह करती हूँ कि लाइन से खड़े कराएं और जिनका हो गया है उनको वहॉ पर बिठा दें।

45. श्री यशवंत दिवाकर, ग्राम तिल्दा बांधा ने कहा कि मेरे गांव में आसपास में रावन सीमेंट कंपनी और हिरमी सीमेंट कंपनी है। इससे पहले माइंस गढ्ढा खोदा गया है जिसके जरिए हम हमारे गांव का वाटर लेवल पानी पूरा नीचे आ गया है इससे हमको बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है और दूसरी बात हमारे गांव के रोड को

पूरा खराब कर दिया है, आते जाते रोज एक्सीडेंट होते रहता है हमारे गांव के लोग न हिरमी प्लांट जा पा रहे हैं न रावन प्लांट जा पा रहे हैं, रास्ते से पूरा रास्ता खराब हो चुका है, उस रास्ता को बना नहीं रहा है शासन और यह कंपनी बहुत खराब काम कर रहा है मैं इस कंपनी का विरोध करता हूँ श्री सीमेंट खुलना नहीं चाहिए।

46. श्री मोहन दास गायकवाड़ ने कहा कि आदरणीय जनसुनवाई अधिकारीगण आपको सादर नमस्कार। मैडम जी सबसे पहले जनसुनवाई का ही विरोध है क्योंकि ग्रामवासी को विश्वास में नहीं लिया गया है, किसी प्रकार से प्रचार–प्रसार नहीं हुआ है इस तारीख को फुण्डरडीह पंचायत में जनसुनवाई होगा श्री सीमेंट बाबत और कंपनी तो खुलना ही नहीं चाहिए खदान के नाम से सबसे ज्यादा प्रभावित ग्राम पथरचुआ होगा। क्योंकि जो पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिला है उस परिक्षेत्र के आसपास सबसे ज्यादा अनुसूचित जाति के निवासी ग्राम पंचायत पथरचुआ के हैं और सुनने में आया है कि जो आबादी क्षेत्र बस्ती से 200 मीटर के बाद खदान है और जब खदान में ब्लास्ट होगा तो हम लोगों के घर का क्या होगा मैडम, इसलिए हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं और इसके लिए हमें सड़क की लड़ाई लड़ना क्यों न पड़े डंडा झंडा लेकर हम रोड में बैठ जाएंगे, हमारे छोटे–छोटे बाल बच्चे हैं यहॉ कहॉ पर जाकर बैठेंगे, सबसे ज्यादा ग्राम पथरचुआ प्रभावित होगा, इसलिए हम इसके विरोध में हैं।

47. श्री दिनेश, ग्राम पथरचुआ ने कहा कि इस कंपनी के खुलने का मैं घोर विरोध करता हूँ, कितने लोग मेरे साथ हैं हाथ उठाओ यह खुलना नहीं चाहिए।

श्री मोहन दास गायकवाड़ ने पुनः कहा कि मैं एक बात बोलना भूल गया मैडम जी इसके लिए सॉरी, क्योंकि हमारे पंचायत और आसपास के किसी भी गांव में विश्वास में लेकर जनसुनवाई नहीं रखा गया है इसलिए आपसे निवेदन है कि जनसुनवाई यहीं पर इस स्थगित किया जाए और सब विरोध करते हैं हम स्थगित किया जाए और खदान कंपनी के मामले में बात नहीं होना है, इसका पुरजोर विरोध किया जाता है।

48. श्री दीपक वर्मा, ग्राम मोहरा ने कहा कि मैं लाइमस्टोन के लिए विरोध करने के लिए आया हूँ मैडम। उसका दो–तीन कारण है आज यह लोग बोलते हैं कि प्लांट आने से लाइमस्टोन के खदान बनने से विकास होगा कहकर कहॉ से विकास हो रहा है मैडम ? आज निसदा में प्लांट खुला है यहॉ हिरमी सीमेंट वहॉ रोज आए दिन आदमी मर रहे हैं इसका कारण क्या है ? सिर्फ प्लांट है और दूसरी चीज यह श्री सीमेंट वाले बोल रहे हैं कि पर्यावरण को हम बढ़ावा देंगे अभी 4 महीने पहले कितने बच्चे हॉस्पिटल में एडमिट थे मैडम ? छोटे–छोटे हमारे देश के भविष्य, हमारे गांव के भविष्य हैं, तो क्या किया श्री सीमेंट ने हैजार्डस वेस्ट केमिकल है उसे लाकर पटक

देते हैं अपने प्लांट को चलाने के लिए, किलन को चलाने के लिए, मेरा खपत कम हो मुझे उत्पादन ज्यादा मिले करके। उससे नुकसान किसे हो रहा है ? हम आम आदमी हम गांव वालों को नुकसान हो रहा है तो यह झूठा वादा झूठ चोचले बंद करवाएं हम विरोध करते हैं इस जनसुनवाई का और इसे पूर्ण बहिष्कार करता हॅू कि इस जनसुनवाई को रद्द करें। हमें नहीं चाहिए ऐसा प्लांट हमें नहीं चाहिए ऐसा विकास जिससे हमारा विनाश हो हम किसानों का विनाश हो हमारा भारत कृषि प्रधान भारत है हमें ऐसा विकास नहीं चाहिए जिससे हमारे किसानों को नुकसान पहुंचे और हमारा क्षेत्र पूरा किसान का क्षेत्र है मैडम हम लोगों को ऐसा विकास नहीं चाहिए जिससे हमारे किसान को आत्महत्या करना पड़े किसान की भूमि बंजर हो हमारा आसपास का पर्यावरण नुकसान हो हमें यह सब नहीं चाहिए हमें बिल्कुल भी नहीं चाहिए हम आसपास के क्षेत्र वासियों को तो मैं आपसे सदर आग्रह करता हॅू मैडम कि इस जनसुनवाई को मेरी बात अभी कंप्लीट नहीं हुई है मैडम बड़े–बड़े नेता आते हैं तो कितना भाषण दिए हैं क्या हुआ है उसका मैडम मैं वही बोल रहा हॅू बड़े–बड़े नेता आकर बोले हैं उन्हें 10 मिनट बोलने दिए हैं समर्थन किए हैं तब हम विरोध कर रहे हैं तो हमें दबा रहे हैं, मैडम हमारी बात को सुनिए हम क्या बिगाड़े हैं ? गलत बोल रहे हैं क्या ? प्लांट के मुद्दे पर में ही बोल रहे हैं। आज वह श्री सीमेंट 4 गांव के बच्चे अस्पताल में एडमिट हुए हैजार्डस वेस्ट केमिकल की वजह से तो किसका नुकसान हुआ इस श्री सीमेंट वाले का नुकसान हुआ है, उनके बच्चे अस्पताल में गए हैं, कि प्लांट वाले जो सपोर्ट कर रहे हैं वह गए हैं बताइए मैडम ? हम ग्रामीणों के बच्चे गए हैं वहॉ अस्पताल में मरते तो हमारे बच्चे मरते प्लांट के बच्चे मरेंगे क्या नहीं होगा तो हम पूरा पूर्ण रूप से विरोध करते हैं इस जनसुनवाई को स्थगित करें यही हम नहीं चाहते कि खुले करके हमें और किसी का समर्थन नहीं चाहिए बंद करें यह जनसुनवाई।

49. श्री संजय कुमार वर्मा ने कहा कि मैं इस जनसुनवाई का विरोध करता हॅू। आज मुझे 18 साल हो गए हैं गाड़ी चलाते अनुभव सर्टिफिकेट है, लाइसेंस है लेकिन काम मांगते मांगते श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक में जा जाकर आज 17 साल हो गए लेकिन काम नहीं मिला इस कारण मैं विरोध करता हॅू।

50. श्री कमलेश वर्मा ने कहा कि मैं सादर प्रार्थना करता हॅू कि इस श्री सीमेंट यहॉ लगाए हैं जनसुनवाई के लिए लगाए हैं तो यहॉ जबकि पथरचुआ, तिल्दा बांधा, फुण्डरडीह यह लोग पूरा नहीं खुलना चाहिए करके मांग कर रहे हैं, तो आप लोग यहॉ जनसुनवाई किसके माध्यम से लगाए हैं यह गलत बात है न सरकार की जमीन है न श्री सीमेंट की जमीन नहीं है हमारे पुरखा की जमीन है दें चाहे न दें हमारा फैसला है। फैसला होना चाहिए हम उसी में जीते हैं खाते हैं नहीं खुलना चाहिए।

51. श्री हीरालाल ढीढी, पंच, ग्राम पंचायत तिल्दा बांधा ने कहा कि विरोध करता हूॅं।

52. श्री वीरेंद्र कुमार बाघमार ग्राम खपराडीह ने कहा कि श्री सीमेंट में मैं कर्मचारी हूॅ, मेन है ब्लास्टिंग के बारे में ब्लास्टिंग से ऐसा कोई पर्यावरण प्रदूषण नहीं है न वायु प्रदूषण है अभी कंट्रोल ब्लास्टिंग चल रहा है तो मैं समर्थन करता हूॅं।

53. श्री मन्नू, उप सरपंच ग्राम पंचायत ने कहा कि मुझे यहॉ कोई भी जानकारी नहीं मिली है कि यहॉ मतलब जनसुनवाई हो रही है मुझे कुछ भी नहीं मिला है और जनसुनवाई हो रही है और इसके बीच में किसानों का कोई मुद्दा भी नहीं उठा है अधिकारीगण ? किसान के बीच में जाकर उनकी समस्या को समझें जाने और इस चीज को हमें जानकारी नहीं है इसका पूर्ण विरोध करते हैं यह जनसुनवाई बंद होना चाहिए, कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

54. श्री कृष्णा प्रसाद वर्मा ने कहा कि मैं श्री सीमेंट को समर्थन करता हूॅ आज लोगों को रोजगार का अवसर प्रदान मिलता है।

55. श्री हेमंत बाघमार, अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी सुहेला मंडल ने कहा कि आज के इस जनसुनवाई में उपस्थित समस्त अधिकारी गण, मैडम मैं आपसे एक चीज पूछना चाहता हूॅ हम लोग लगातार डेढ़ 2 घंटे से सुन रहे हैं मैं एक चीज पूछना चाहता हूॅ अभी तक जितने भी वक्तव्य रखे हैं जितने यहॉ के स्थानीय सरपंच हैं सभी ने विरोध किया है, तो क्या यह जनसुनवाई उन सरपंचों की बिना जानकारी के किया जाता है और अगर यह गांव जो प्रभावित है, उस गांव के सरपंच को जानकारी नहीं है, उस गांव के पंच को जानकारी नहीं है, वहॉ के नागरिकों को जानकारी नहीं है तो मेरे हिसाब से ऐसे जनसुनवाई को तुरंत स्थगित किया जाए और अगला डेट घोषित किया जाए कि यह जनसुनवाई दोबारा कराया जाएगा, उन्हें विश्वास में लेकर कराया जाए ऐसी जनसुनवाई का क्या मतलब जिनका खेत प्रभावित होगा, जिनका जनजीवन प्रभावित होगा, उन्हें जानकारी नहीं है और बाकी बाहर के आकर बोल रहे हैं, समर्थन बता दीजिए मैडम एक भी ऐसे स्थानीय सरपंच जिनका गांव प्रभावित हो रहा है, समर्थन किए हैं क्या तो फिर ऐसी जनसुनवाई का क्या मतलब, जिनकी खेती प्रभावित हो रही है, जिनका गांव प्रभावित हो रहा है, उन्हें जानकारी नहीं है ऐसे ही जनसुनवाई कराई जाती है क्या और मेरे ख्याल से मुझे टोकिए मत आज की जनसुनवाई कोई स्थगित करिए, गांव वालों को विश्वास में लाएं और अगला डेट घोषित करें और जब तक अगर यह नहीं होगा, तब तक इस जनसुनवाई का कोई मतलब नहीं है। हम पूरी जनता की तरफ से मांग करते हैं कि जनसुनवाई को स्थिगित किया जाए जब तक यहॉ के स्थानीय जनता को विश्वास में नहीं लिया

जाएगा क्योंकि कोई एक भी जितना गांव लिखे हैं पथरचुआ, भालूकोना, मोहरा एक भी गांव के सरपंच समर्थन किए हैं क्या ?

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया की जनसुनवाई आप लोगों को सुनने के लिए तो की जाती है।

श्री हेमंत बाघमार ने कहा कि उनको सूचना क्यों नहीं दी गई है, पेपर में 50 किलोमीटर दूर के नेताओं को निमंत्रण देकर बुलाते हैं और यहॉ के स्थानीय जनता को मुनादी तक नहीं करा सकते यह होता है जनसुनवाई ? बुलाइए यहॉ के कोटवार को बुलाइए यहॉ के स्थानीय जनप्रतिनिधियों को, यह जनसुनवाई तत्काल स्थगित किया जाए बंद करो जनसुनवाई।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि और कोई व्यक्ति बोलना चाहते हैं। 05 मिनट के अंदर समर्थन, सुझाव या अपना विचार रखना चाहते हैं, तो 05 मिनट का समय है, 05 मिनट के बाद यह जनसुनवाई जो है समाप्त की जाएगी। आवेदन, आपत्ति, सुझाव कोई लिखित में देना है तो लिखित में दीजिए। कोई भी व्यक्ति अपना सुझाव, अपना समर्थन, अपना विरोध लिखित में यदि देना चाहते हैं, तो लिखित में भी आवेदन दे सकते हैं। जो भी व्यक्ति अपना समर्थन, विरोध या सुझाव लिखित में देना चाहते हैं, तो दे सकते हैं।

आप सभी यहॉ पर उपस्थित हुए हैं, अपने–अपने विचार रखे हैं, अपना समर्थन, विरोध या फिर सुझाव रखे हैं, इन सब सुझावों को जो है वीडियो रिकॉर्डिंग कर लिया गया है और इसकी जो जानकारी है, वह पर्यावरण मंडल को भेज दी जाएगी। इसी के साथ जनसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की गई। लोक सुनवाई का कार्यक्रम अपरान्ह 1:10 बजे समाप्त हुआ। लोक सुनवाई के पूर्व 1 आवेदन प्राप्त हुई तथा लोक सुनवाई के दौरान प्राप्त कुल आवेदन पत्रों की संख्या 277 है। सम्पूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी की गई।

प्रकाश कुमार रबड़े
क्षेत्रीय अधिकारी,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल,
रायपुर

सुश्री दीप्ति गौते,
अपर कलेक्टर,
जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा